हिंदी-गुजराती-शिक्षा

[भाग १]

संगच्छध्वम् संवदध्वम् संवो मनांसि जानताम्

(श्रुति)

श्रीराम रामप्रसाद शर्मा

गूजरात विद्यापीठ ग्रंथालय

[गुजराती कॉपीराअिट विभाग]

अनुक्रमांक १०३७८ वर्गांक

पुस्तकनु नाम हिंदी-गुजराती शिक्षा

विषय नु ९५२

हिंदी-गुजराती-शिक्षा

[भाग १]



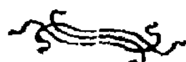
कर्त्ताः—श्रीराम रामप्रसाद शर्मा

[बड़ोदा के मेलट्रेनिंग कॉलेज, फीमेल ट्रेनिंग कॉलेज, वर्नाक्युलर कॉलेज के भूतपूर्व हिंदीशिक्षक

तथा

'सयाजीचरितामृत' 'पतितपावन' 'बालोद्यान-पद्धति का गृहशिक्षण' आदि पुस्तकों के लेखक]

प्रकाशकः—'भगवद्दत्तबंधु मंडली' बदायूँ.



पहली बार { संवत् १९७८ फाल्गुन / सन् १९२२, फेब्रुवरी } क़ीमत ०-९-०

पुस्तकें मिलने का पताः—

प्रबंधक 'भगवद्दत्तबंधु मंडली' बदायूँ, सिटी

BUDAUN CITY

R K Ry

ગુજરાત વિદ્યાપીઠ ગ્રંથાલય
અમદાવાદ
ગુજરાતી ગ્રંથાંક
૧૦૩૫૮

[ALL RIGHTS RESERVED]

Printed by Mukundbhai Treekamlal Patel at
Navyaprakash Press Tankshal—AHMEDABAD

22—2—22

विषयक्रम

सम्मतियां

હિંદી ભાષા તેના શુદ્ધ સ્વરૂપમા વગર ગુરુએ શીખવાને આરંભમા આ સારૂ પુસ્તક છે એમા હિંદી ભાષાના કેટલાક અક્ષરોના ઉચ્ચાર જે ગુજરાતી કરતા ભિન્ન છે, તે પણ સમજાવ્યા છે, અને પછી માર્ગોપદેશિકાની પેઠે—**પણ આરંભમા વ્યાકરણની કડાકૂટમા નાખ્યા વિના**—ક્રમશઃ સહેલા અને ટુંકા વાક્યોથી આરંભ કરી છેવટે નિબંધ કે વાર્તાની પ્રબંધરૂપ વાક્યશૈલી સુધી શીખનારને આણી મૂક્યા છે વ્યવહારમા વપરાતા શબ્દોનો પ્રાયઃ એમા ઉપયોગ કર્યો છે એ પણ સારૂ કર્યું છે ગુજરાતી-ભાષાશૈલીથી હિંદીભાષાની જ્યા જુદી પડે છે, ત્યા ખાસ સમજૂત અને ઉદાહરણો આપ્યા છે એકંદર આ જાતનું આવું ઉત્તમ પુસ્તક મારા જોવામા આ પ્રથમ જ આવે છે અને તેથી તેના કર્તા [illegible] ધન્યવાદ આપું છું [illegible] આવા જ પુસ્તકો તે તે (પ્રાન્તિક) ભાષાઓમા હોય તો શીખનાર [illegible] ભાષાઓમા [illegible] કરીને [illegible] હિંદીનો સારો પરિચય મળશે [illegible]

વડોદરા તા ૮-૨-૨૮	}	**છોટાલાલ નરભેરામ ભટ્ટ** ('[illegible]' ના માજી તંત્રી)

તમારો પ્રયાસ [illegible] ગુજરાતી બંધુઓની માતૃભાષા રાષ્ટ્રભાષાને સહેજ મળતી આવે છે બન્ને ભાષાનું સામ્ય [illegible] દર્શાવી શકાય એવી રીતે તમારૂં પુસ્તક તૈયાર થયું છે, તે સારૂં છે પાઠશાળાને ધોરણે વાચનનો અભ્યાસ [illegible] વધી તેને હિન્દીની વાક્યરચના વિષે સારી સમજ તમારા પુસ્તકથી મળી રહે તેમ છે જેમ ગુજરાતનો વતની એની મદદથી હિન્દી શીખી શકે તેમ ઉત્તર-હિન્દુસ્તાનનો વતની ગુજરાતી પણ શીખી શકે એમ હું માનું છું તમારી ચોપડીનો ઉપયોગ રાષ્ટ્રીય અને અન્ય શાળાઓમા થશે તો હિન્દીનો પ્રચાર સહેલાઇથી થઇ શકશે

વડોદરા **વસંતપંચમી સં० ૧૯૭૮**	}	**નન્દનાથ દીક્ષિત** (એજ્યુકેશનલ ચીફ઼ ઇન્સ્પેક્ટર—વડોદરા)

પણ્ડિત શ્રીરામ શર્માએ હિંદી-ગુજરાતી-શિક્ષા એ નામનું નાનકડું ઉમદા પુસ્તક લખ્યું છે જે સમયે રાષ્ટ્રીય શાળાઓમાં હિંદીની શિક્ષા ફરજિયાત કરવામાં આવી છે તે સમયે આ પુસ્તક ઘણું ઉપયોગી નીવડશે પુસ્તકની રચના ઘણી સરલ છે અને નાનાં બાળકો પણ સમજી શકે એવી છે ભાષાનું અને વ્યાકરણનું જ્ઞાન સહેલાઈથી થઈ શકે એવી ગોઠવણ કરેલી છે રાષ્ટ્રીય શાળાઓની આરંભિક શ્રેણીઓમાં વાપરવા માટે આ પુસ્તક ઘણું યોગ્ય છે

માહ સુદ ૨, સં. ૧૯૭૮ } **જેઠાલાલ ચીમનલાલ સ્વામીનારાયણ**
અમદાવાદ } (ગણિતમંદિરના આચાર્ય-ગુજરાત વિદ્યાપીઠ)

આ **શિક્ષા** [illegible]ની જન્મભાષા હિંદી છે અને તેમણે ગુજરાતમાં હિંદી ભણાવવાનું કામ [illegible] વર્ષો થયાં ઉત્સાહપૂર્વક કર્યું છે અને તેથી તેમને બન્ને ભાષાનો ભેદ બરાબર અવગત થયો છે. આ [illegible] **શિક્ષા** ઉપયોગી થાય તેમાં નવાઈ શું? ચોપડી પદ્ધતિ[illegible] લખાની છે એમાં [illegible] તો હોય જ. પ્રૌઢ વિદ્યાર્થીઓ દરેક એનો લાભ લઈ શકે છે. [illegible] પુસ્તક [illegible] આ ચોપડી ચાલી શકે છે. યોગ્ય માણસે યોગ્ય વખતે આ ચોપડી લખેલી છે એમ હું માનું છું

दत्तात्रेय बालकृष्ण कालेलकर
(સાબરમતી સત્યાગ્રહાશ્રમ-રાષ્ટ્રીય વિદ્યામંદિરના આચાર્ય)

'हिंदी गुजराती शिक्षा' के कुछ अंशों को पढकर मैं इस परिणाम पर पहुँचा हूं कि पुस्तक बडी योग्यतापूर्वक लिखी गई है और अत्यन्त लाभदायक सिद्ध होगी। निस्सन्देह ऐसी पुस्तक की बडी आवश्यकता थी हिन्दी जाननेवाले इससे गुजराती भी सीख सकते हैं। गुजरात महाविद्यालय के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को इस से बडी सहायता मिलेगी।

१६-२-२२ } **बनारसीदास चतुर्वेदी**
अहमदाबाद } (हिंदी अध्यापक गुजरात महाविद्यालय)

सुनिये !

हिंदी-बहुत फैली+ हुई होनेसे स्वभावसे-ही सहली है, उस पर भी नपुसक लिंग न होने के कारण पकतिहाई मिहनत कम हो जाती है, फिर इस भाग मे हिंदी-गुजराती (सगी बहिनों) के नाते का मेल भी कुछ दिखलाया है, भाषा होती तो व्याकरण में पिरोई हुई ही है तोभी इस भाग में व्याकरण के ख्याल से पाठ नहीं लगाये बहुत लोग व्याकरण बिना जाने भी भाषा जानते होते है इस पुस्तक को ज्यादहतर कुछ व्याकरण जानने वाले ही काम में लायेंगे, वे इसमे व्याकरण साफ ढूढ लेंगे, जो व्याकरण से अभी दूर रहना चाहते है वे तरजुमे से सहज मे भाषा सीख सकेंगे तो भी व्याकरण के ढग के पाठो को दूसरे भाग में जगह दी है भाषा सीखनेका बढिया ढग तो वही है जिस से आदमी मातृभाषा सीखता है, उस सुयोग के हाथ न आने पर ऐसी किताबें अच्छा काम देती है यह भी कह दू कि हिंदी के वाचन (रीडिग) के लिये अग्रेजी की जितनी कोशिश मैं जरूरी नही समझता, गुजराती या मरहटी चौथी पुस्तक पढने वाला अग्रेजी जितनी छ, सात वर्षों में बॉच पाता है

+ हिंदुस्तानकी ३२ करोड आबादी मे हिंदी बोलने वाले साढे तेरह करोड है, इन मे हिंदी समझ सकने वाले-पर बोल न सकनेवाले-मिला देने पर आधोआध-१६ करोड,-हिंदीवाले होते है बगला के पौनेपांच करोड, मरहटी के दो करोड गुजराती के लगभग सवाकरोड होते है और अग्रेजी के कितने ? तीन लाख

उतनी यह हिंदी तो छ, सात हफ़्तों में ही ऐसी हालतों में इस भागमें हिंदी-गुजराती के आपस के संबध को ही असल मतलब माना है हाँ, पढ़ने पढ़ाने वाले शुद्धि का ख्याल रखते हुए थोडे अमुक समय बेखटके बोलचाल का नियम जरूर रक्खे

पुस्तक पर पहले ही-शुद्धिपत्रक सहित शुरू से आखिर तक-नजर डाल जाने से सुभीता रहेगा शिक्षक महाशयों की थोडी भी मदद विद्यार्थियों को काफी होगी विद्यार्थी किस तरह की* भूलें किया करते हैं, इस बात पर जरा ध्यान देते रहना चाहिये इस ओर मेरा यह पहला ही कदम है यह हो सकता है कि कहीं पर कोई कमी रह गई हो, ऐसी हालत मे जो विद्वज्जन सुधार की तरफ मेरा ध्यान खींचेंगे, मैं उनके अनुग्रह का पात्र होऊंगा



निवेदक
श्रीराम शर्मा

---

* 'को' का 'कु', 'से का से, मे' का म, 'हैं' का 'है' न होने पावे सबध की वस्तु पुल्लिंग-एक-हो तो, 'का' (उसका), अनेक हो तो, 'के, स्त्रीलिंग एक-अनेक हो तो, की, होता है, यह स्पष्ट समझ लेव इसी तरह, एक हो तो, 'लड़का', अनेक हों तो, लड़के, सबोधन एक हो तो लड़के !, अनेक हो तो लड़को !, आगे प्रत्यय आने पर एक हो तो, लड़केने, अनेक हों तो, लड़कोंने, इत्यादि खास ध्यान में रखना चाहिये ये नियम प्राय गुजराती के मे ही हैं



अथ

हिंदी-गुजराती-शिक्षा.

भाग १.

स्वर.

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ
અ	આ	ઇ	ઈ	ઉ	ઊ
ऋ	ऌ	ए	ऐ	ओ	औ
ઋ	०	એ	ઐ	ઓ	ઔ

अं	अः
અ	અઃ

क्रमहीन स्वर.

ऋ	ऐ	अ	ओ	औ	इ	ए
आ	ऊ	ॡ	उ	अं	ई	अः

वधारे मळता आवता स्वरूपना स्वर.

इ = ઇ, ई = ઈ, उ = ઉ, ઊ = ऊ

ओछा मळता आवता स्वरूपना स्वर.

अ	आ	ए	ऐ
અ	આ	એ	ઐ
ओ	औ	अं.	अः
ઓ	ઔ	અં	અઃ

स्वरना उच्चारण

सामान्य रीते हिंदी, गुजराती अक्षरो सरखी रीते ज उच्चाराय छे. बंगालीना जेवो मोटो फेरफार नथी

आ

अंग्रेजीना केटलाक शब्दोमा उच्चार माटे 'आ' उपर अर्ध चंद्रनी निशानी मूकी आ अने 'ओ' ना अधवचनो उच्चार ठरावेलो छे

जेम —ऑगस्ट, ऑनरेबल, ऑफिस, कॉलेज, हॉस्पिटल, शॉप, ऑर्फन, डॉक्टर, मॉडर्न, मॉनीटर वगेरे केटलाक अरबी, फारसीना शब्दोना उच्चार माटे ' अ, आ, ऐ ' नी नीचे बिंदु लगाडे छे अने तेने कठनी नीचेथी उच्चारे छे जेम —अरब, आम, आ-शाक पेशा, ऐन वगेरे

ऋ

ऋ' नो खरो उच्चार हाल तो संस्कृतज्ञोमा पण थतो जोवामा आवतो नथी उत्तर हिंदुस्तानमा

र + ि = रि

एम रि' नो जे उच्चार थाय तेवो ज खरेखर ' ऋ ' नो कर-वामा आवे छे त्या ऋषि ने रिषि ' बोले छे तेमज गुजरात तथा दक्षिण प्रदेशोमा

र + = रु

एम ' रु नो जे उच्चार थाय तेज ' ऋ ' नो करे छे त्या 'ऋषि ने रुषि, ऋग्वेद' ने रुग्वेद' बोले छे

" स्वयं राजन्त इति स्वराः " महाभाष्यकारना आ नियम प्रमाणे हाल ' ऋ नो स्वयं प्रकाशित उच्चार न थतां ' र ' व्यञ्ज-ननी मददथी थाय छे *

---

* आशा छे के साक्षरवर्गो ए सबधे निर्णय उपर आववा मनन करशे

'ॠ' नो दीर्घ प्रयोग हिंदीमा छेक नथी.

'ॡ' हिन्दीमा पण आवतो नथी

" " (अनुस्वार)

हिन्दीमा अनुस्वारनो उच्चार 'न' ना जेवो थाय छे जेम —

हन्स, अन्श

आम लखवाथी जेवो उच्चार थवो जोइए तेवोज

हंस, अंश

आम लखवाथी करवामा आवे छे

' ँ' (अर्ध अनुस्वार)

केटलाक शब्दोमा अनुस्वारनो पूरो उच्चार न थता अर्धो थाय छे तेवा उच्चार माटे अनुस्वार माथे अर्धचंद्र जेवु चिन्ह निश्चित कर्युं छे § जेम —

बाँस, ईँट ऊँट ऊँचा, साँड, आँख, आँच साँच साँप, साँढ वगेरे

---

§ क्वचित् आ नियमनुं पालन नथी पण थतु.

व्यञ्जन

क	ख	ग	घ	ङ
ક	ખ	ગ	ઘ	ઙ
च	छ	ज	झ	ञ
ચ	છ	જ	ઝ	ઞ
ट	ठ	ड	ढ	ण
ટ	ઠ	ડ	ઢ	ણ
त	थ	द	ध	न
ત	થ	દ	ધ	ન
प	फ	ब	भ	म
પ	ફ	બ	ભ	મ
य	र	ल	व	
ય	ર	લ	વ	
श	ष	स		
શ	ષ	સ	ળ	

क्रमहीन व्यञ्जन.

ब	ख	ज	क	झ	च	फ	
ग	ङ	घ	छ	ञ	ढ	ध	
ड	ट	ठ	त	भ	थ	न	
		म	द	प			
र	व	श	ह	स	य	ष	ल

फकत नीचेना सात व्यञ्जनोनी आकृतिमां अतर छे

ક	ખ	ચ	જ	ઝ	ફ	બ
क,	ख,	च,	ज,	झ,	फ,	ब.



ळ = ળ

'ळ' अक्षरनो प्रयोग हिंदीमा छेक थतो नथी, गुजरातीमा

---

‡ वधारे ध्यानथी जोतां एकदर गुजराती अक्षरोमां नागरी लिपिनु ज वळण देखाई आवे छे

व्यञ्जनना उच्चारण.

'ळ' नो खप पडे छे त्यां त्यां हिंदीमां कोई ठेकाणे 'ड' अने कोई ठेकाणे 'ल' आवे छे. जेम —

ગોળ = गुड, કાળ = काल, માળા = माला, वगेरे

फारसी, अरबी अंग्रेजी अने हिंदीना खास उच्चारो.

हिंदीमां आवता फारसी अरबी अंग्रेजी अने पोते हिंदीनाज केटलाक शब्दोना खास उच्चार माटे नीचेना सात व्यञ्जनोनी नीचे बिंदु लगाडे छे जेना उच्चारना दाखला वातचीत थतां जडी आवे छे

क़ ख़ ग़ ज़ ड़ ढ़ फ़

अरबी अने फारसीमां	क ख ग ज फ
अंग्रेजीमां	ज फ
हिंदीमां	ड ढ

फारसी अने अरबी.

क —मज़ाक़, क़ब्र, माक़ूल वक़्त, क़रीब, क़ुरबान वगेरे

ख —ख़ाक, ख़याल, ख़बर, ख़न्दक़, ख़िलाफ़, मख़ज़न वगेरे

ग —ग़लत, दारोग़ा, ग़नीम, चिराग़ दग़ा, मुग़ल, वगेरे

ज —ज़बान, ज़माना, ज़रूरत गुज़रना अर्ज़ी मर्ज़ी, दरज़ी,

रोज, वगेरे

फ़:—तरफ फक्त, लुत्फ, तुहफ़ा, साफ माफ, नफ़ा, वगेरे

अंग्रजी.

ज़:—मोज, रूपीज इज हिज, साइज वगेरे.

फ़:—फ़िट्, फेट, लेफ़्ट लाइफ़् सॉफ्ट वगेरे

हिन्दी.

ड़—लड़की, लड़ी, छड़ी, उड़ा, खड़ा, दमड़ी घोड़ा, घड़ा धड़ गाड़ी, साड़ी सड़ा, पड़ा घड़ी हाड़ वगेरे

ढ़:—बाढ़, गढ़ मढ़ी, गढ़ना, पढ़ना चढ़ाई गढ़ाई वगेरे

हिंदीना उपला[१] ड़, ढ़ ना उदाहरणवाळा शब्दो साथे बिन्दु वगरना शब्दोने सरखावता उच्चारनो फेर म्हेजे जणाई आवे छे.

	ड		ढ	
जेम—घोड़ा	अने	अडा	चढ़ाई अने	ढोल
घड़ा	,,	खड्डा	मढ़ी	ढंग
पड़ा		पडा	गढ़ना	ढाल
लड़ा	,,	लड्डू	बाढ़	ढढेरो
घड़ी	,,	अड्डा वगेरे	गढ़	ढेर वगेरे

क् + ष = क्ष ‘क्ष’ अने ज्ञ ज् + ञ = ज्ञ

१ उपला शब्दो पैकी घणाखरा गुजरातीमां पण तेज अर्थ साथे वपराय छे

'क' अने 'ष' ने जोडवाथी 'क्ष' थाय छे, माटे —
'क्ष' आम लखवाथी जे उच्चार थाय छे तेज उच्चार
'क्ष' आम लखवामा समजी लेवो जोइए तेमज —
'ज्' अने 'ञ' ने जोडवाथी 'ज्ञ' थाय छे माटे —
'ज्ञ' आम लखवाथी जे उच्चार थाय छे तेज उच्चार
'ज्ञ' आम लखवामा समजी लेवो जोइए

हाल उत्तरीय हिंदमा 'ज्ञ' नो उच्चार 'ग्यँ' ना जेवो, गुजरातमा 'ग्नँ' ना जेवो अने दक्षिणमा 'द्न' ना जेवो थाय छे, ओ पैकी स्वाभाविक-खरो एक पण नथी खरो तो ज्ञ' ना जेवोज छे.

आठ अक्षरोना आकार.

हिंदीमा नीचेना आठ अक्षरोनु स्वरूप बीजी रीते पण लखाय छे जेम—

अ	ऋ	ऌ	झ	ण	भ	ल	श
अ	ऋ	ॡ	झ	ण	भ	ल	श

| ए – ऐ |

गुजरातीमा 'એ' એ नी माफक हिन्दीमा अे, अै' एवु स्वरूप नथी थतु, पण 'ए ऐ, अेवु थाय छे ते तरफ ध्यान राखवु

स्वाध्याय १

१ ओछा मळता आवता स्वरूपना स्वर कया छे ते जुदा जुदा लखी बतावो

२ 'ऑ' नो उच्चार केवा शब्दोमा थाय छे ?

३ 'ऋ' ना उच्चार सबधे खास शु समज्या छो ?
४ अनुस्वारनो उच्चार हिदीमा केवो थाय छे ?
५ अर्ध अनुस्वारना उच्चारना थोडा हिदी शब्दोना दाखला आपा
६ कया सात व्यञ्जनाना गुजराती अने हिंदी स्वरूपमा अतर छे ?
७ ळ' नो रूप हिदीमा केवी रीते थाय छे ?
८ कया अक्षरोनी नीचे बिंदु लगाडाय छे, अने ते शा माटे ?
९ 'ज्ञ' नी जोडणी बतावी कारण साथे खरो उच्चार करी बतावो
१० हिदीमाज कया अक्षरोनु स्वरूप बीजी जातनु पण थाय छे ?

मात्राओनां स्वरूप अने बाराअक्षरी

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः
०	ा	ि	ी	ु	ू	े	ै	ो	ौ	ं	ः
क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कौ	कं	कः
ક	કા	કિ	કી	કુ	કૂ	કે	કૈ	કો	કૌ	કં	કઃ

उपर प्रमाणे दरेक व्यञ्जन साथे दरेक मात्राने जोडो

जेमः—ख, गा, घि, ची, छु, जू, झे, टै, ठो, डौ, ढं, पः वगेरे

र

हिंदीमा मात्र र नी साथे ु ू ए बे मात्राओ म्हेज बीजा स्वरूपे जोडाय छे जेम —

मरुस्थल, रुक्मिणी } रु ह्रस्व / रू दीर्घ { आरूढ स्वरूप

गुजरातीमां 'ज नी साथे ि ी ु ू' ए चार मात्राओ बीजा अक्षरोनी पेठ न लखाता खास जुदा रूपे (જિ જી જુ જૂ) आम लखाय छे तेम हिंदीमां नथी हिंदीमां तो बीजा अक्षरोना सामान्य धोरणे लखाय छे

२०३
३०३१७

मात्राओनी योजना (जोडणी)

मात्राओना अनुक्रमथी तेमनुं स्वरूप देखाडवा माटे थोडाक शब्दो

अः—कल, रथ, दल, वन, कमल, चञ्चल

आः—राज, रात, भात, सात, आठ, मास

इः—निश, दिन, तिथि, विधि, सित, शनि

ईः—तार, गीर, चीर, पीर, खीस, तीसरा, परीक्षा

उः—मुख, सुख, सुध, बुध, खुश, कुमुद

ऊः—सूप, दूध, शूर, पूत, दूषण, दूमगा

ऋः—वृति, मृग, गृह, कृषक, वृषभ, पृथिवी

एः—केसरी, देवता, वेदना सेवता, कलेवा

ऐः—शैय्या, भैंस, रैन, बैठक, सैनिक, दैवत, सैकडा

ओः—कोडा, फोडा, लोटा, धोती, रोजगार, मोदक.

औः—फौज, मौज, सौत, हौज़, दौलत, रौनक़

अंः—बंध, कंस, संवत्, संसार, बाँस, हाँक, फाँस

अः,ः—दुःख, दुःशासनः, मनःकामना, अधःपात.

थोडाक जोडाक्षरनुं स्वरूप दर्शन.

माध्य	पद्मिनी	शक्ति
विद्या+	ब्राह्मण	गङ्गा
राज्य	जिम्ह	मङ्गल
मद्य	श्लोक	सञ्चा
उद्यान	विप्लव	काञ्चन
वाक्य	स्वल्प	उद्धार
मक्खी	ग्रह	उद्भव
असह्य	पक्व	गुम्फित
वृत्त	ज्वाला	अल्प
गृह	खट्वा	लक्ष्मण
पात्र	विद्वान्	मूर्च्छित
मित्र	जिह्वा	धैर्य
श्रम	कृष्णा	आश्चर्य
ह्रास	नम्र	धर्म
मूर्ख	विघ्न	सूर्यावर्त्त
रुक्मिणी	प्रच्छन्न	आर्यावर्त्त

+ गुजराती भणता केटलाक विद्यार्थीओ 'विद्या' अने 'विध्या'ना अंतरने ध्यानमां नथी राखता तेम न थवु जोइए

'र' नुं उपर जवुं.

(रेफस्योर्ध्वगमनम्)

'र' पछी स्वर आवे तो 'र' ते स्वर पहेलां नीचे रहे छे जेम —

अभ्र, तक्र, नम्र, पुत्र वगेरे

'र' पछी व्यञ्जन आवे तो 'र' ते व्यञ्जन पहेला उपर रहे छे जेम —

कर्म, गर्त, तर्क, धूर्त वगेरे

स्वाध्याय २

१ —'र' नी साथे ह्रस्व, दीर्घ उकारने अने 'ज' नी साथे ह्रस्व तेमज दीर्घ इकार उकारनी मात्राओने हिंदी तेमज गुजरातीमा मरखावीने लखी बतावो

२ —(क) विद्या मद्य अने साध्य, अध्याय (ख) ब्राह्मण अने जिह्वा, (ग) वृत्त अने सूर्यावर्त्त, गूढ अने ग्रह (घ) उद्यान अने उद्धार, विद्या अने विद्वान् आ शब्दोनी जोडणी उपर ध्यान आपी उच्चार करी बतावो.

३:— ## ह्रस्व अने दीर्घ.

'ि' 'ी' वच्चे अने 'ु' 'ू' वच्चेना उच्चारनु अतर

ि			ु		
विधि	अने	सुधी	सुत	अने	सूत
मुनि	,,	धनी	द्रुत	,,	दूत
मणि	,,	गुणी	शुक	,,	शूद्र
बधिर	,,	अधीर	आहुत	,,	आहूत
मति	,,	सती	कुल	,,	कूल
धृति	,,	भामती	पुर	,,	पूर
सृष्टि	,,	नटी	बुलबुल	,,	बबूल
दृष्टि	,,	वटी	मुग	,,	मूप
पति	,,	आरती	सुख	,,	भूख
दिन	,,	दीन	दुष्ट	,,	दूषण
भिक्षा	,,	परीक्षा	दुगुना	,,	दूसरा
शिक्षा	,,	दीक्षा	पुन	,,	पूत

आ शब्दोनी जोडीनी वच्चे ह्रस्व, दीर्घनो विचार राखी उच्चारनु अतर उघाडु बोली बतावो *

---

* गुजरातीमां कोई वखते बोलवा, लखवामां ह्रस्व दीर्घनो विचार बाजुए मूकी देवाय छे, हिंदीमां तेम न थवा पामे ते ध्यानमां राखवु

पाठ १

घर*	=	ઘર	कुरता	=	પહેરણ
बन	=	વન	कपडा	=	કપડુ, કાપડ
खेल	=	રમત–ખેલ	थैला	=	કોથળો
कलम	=	કલમ	जेब	=	ગજવુ
दावात	=	ખડીયો	थाली	=	થાળી
किताब	=	ચોપડી	लोटा	=	લોટો
गुरुजी	=	ગુરુજી	कटोरा	=	વાડકો
स्याही	=	શાહી	कटोरी	=	વાડકી
खिलौना	=	રમકડુ	छुट्टी	=	રજા
चाकू	=	ચપ્પુ	पेड	=	ઝાડ
सजा	=	શિક્ષા	छाया	=	પડછાયો
पोस्टकार्ड	=	કાગળ	भात	=	ભાત
चिट्ठी	=	ચિઠ્ઠી	दाल	=	દાળ
दरवाजा	=	દરવાજો બારણુ	रोटी	=	રોટલી
खिडकी	=	બારી	शाक	=	શાક
कागज	=	કાગળ	धूप	=	તડકો
फाटक	=	દરવાજો(ખીડકી)	लोग	=	લોકો

* एवा एकज अर्थमा हिंदी तथा गुजरातीना घणा शब्दो सरखा स्वरूपना होय छे

पाठ २

१. मैं	= હુ	हम	= અમે
२. तू	= તુ	तुम	= તમે
३. वह	= તે	वे (वह)	= તેઓ

पाठ ३

ना === વું

आना	= આવવુ	लिखना	= લખવુ
जाना	= જવુ	पढ़ना	= ભણવુ વાચવુ
उठना	= ઊઠવુ	हँसना	= હસવુ
बैठना	= બેસવુ	रोना	= રડવુ, રોવુ
लेना	= લેવુ	खेलना	= રમવુ
देना	= દેવુ (આપવુ)	कूदना	= કુદવુ
खाना	= ખાવુ	कहना	= કહેવુ, બોલવુ
पीना	= પીવુ	सुनना	= સાભળવુ
[illegible] / करना	= કરવું	दौड़ना	= દોડવુ

रखना, धरना = મૂકવુ	भागना = ન્હાસવુ
सोना = ઊંઘવુ	रहना† = રહેવુ
जागना = જાગવુ	ठहरना = થોભવુ
उड़ना = ઊડવુ	गिरना = પડવુ
होना = હોવુ, થવુ	चौंकना = ચમકવુ

पाठ ४

है = છે   जाता है = જાય છે

पुरुष

ता	ते
१ मै जाता हू = હુ જાઉ છુ	२ हम जाते है = અમે જઇએ છીએ
३ तू जाता है = તુ જાય છે	४ तुम जाते हो= તમે જાઓ છો
५ वह जाता है= તે જાય છે	६ वे(वह)जाते है=તેઓ જાય છે

स्त्री

ती	ती
१ मैं जाती हू = હુ જાઉ છુ	२. हम जाती है =અમે જઇએ છીએ
३ तू जाती है = તુ જાય છે	४ तुम जाती हो =તમે જાઓ છો
५ वह जाती है= તે જાય છે	६ वे (वह)जाती है =તેઓ જાય છે

† उपला त्रणे पाठोमां हिंदी अने गुजरातीमां वधारे मळता आवता शब्दोने जरा मोटा अक्षरे लख्या छे

पाठ ५

१ मैं खाता हूं = હું ખાઉં છું	१ हम खाते हैं = અમે ખાઈએ છીએ
मै खाती हूं = ,,	हम खाती है =
२ तू खाता है = તું ખાય છે	२ तुम खाते हो = તમે ખાઓ છો
तू खाती है = ,,	तुम खाती हो = ,,
३ वह खाता है = તે ખાય છે	३ वे (वह) खाते है = તેઓ ખાય
वह खाती है =	वे (वह) खाती हैं =

विधान.

आ पाठमा गुजराती लीटीओनी नीचे मूकेली ,, आवी मत-रनी निशानी पाताथी उपरनी लीटी प्रमाणे होवानु जणावे छे पण तवु हिंदीनी लीटीओमा नथी, एटले जेम हिंदीमा उपरनी लीटीमा 'खाता' अगर 'खाते' आवे छे तेम नीचेनी लीटीमा नथी पण हिंदीमा तो नीचेनी लीटीओमा दरेक ठेकाणे "खाती" आवे छे. ए भेदने बराबर ध्यानमा राखवा

स्वाध्याय ३

१ —पकज अर्थना कया शब्दो (पाठ १ प्रमाणे) हिन्दी अने गुजरातीमा मळता आवता नथी ते बोली जाओ

२ —नीचे बतावेली मींडा मूकेली खाली जगामा चौथा पाठ प्रमाणे शु लखवु जोइए ते तमारी नोटमा उतारी—पूरा लखी बतावो

पुरुष

१ मैं खाता = હું ખાઉં છું	२ हम = અમે ખાઈએ છીએ
३ ,, आता . = તું આવે છે	४ तुम . . = તમે ઉઠો છો
५ वह ले ... = તે લે છે	६ वे . = તેઓ આપે છે

स्त्री

१	पीती	= હુ પીઉ છુ	२	हम हैं	= અમે કરીએ છીએ
३	रख है	= તુ મુકે છે	४		= તમે ગયા હતા
५	हँसती	= તે હસે છે	६	(वह) लिख	= તેઓ લખે છે

३ —पाचमा पाठमा गुजरानी लीटीओनी नीचे ,, आवी निशानी आवेली होवानु अने हिंदी लीटीओमा तम नही होवानु कारण समजावो

पाठ ६

केवल	=	માત્ર	नहीं	=	નહિ
आज	=	આજે	न	=	ના
कल	=	કાલે	मत	=	મા, ના
क्यों	=	કેમ	तुरंत	=	તરત
कि	=	કે	फिर	=	ફરી, પછી
क्या	=	શુ	तक	=	સુધી
बहुत	=	ઘણો, બહુ	अगर	=	જો
और	=	બીજુ, અને, ને, વધારે	यदि	=	,,
			जो	=	,,
ही	=	જ	साथ	=	જોડે, ભેગુ
भी	=	પણ	तो	=	તો
हाँ	=	હા	तोभी	=	છતાં

पर	=	પણ
किन्तु	=	,,
खूब	=	ખૂબ
यानी	=	એટલે
अर्थात्	=	,,
भला	=	વારૂ
या	=	અગર
जल्द	=	જલ્દી, વહેલો
अच्छा	=	સારૂ
दूर	=	દૂર
नजदीक	=	નજીક
पास	=	પાસે
बारबार	=	વખતોવખત
हमेशा	=	હર હમેશ, હમેશા
ज्यादः	=	બધુ, વધારે
थोड़ा	=	થોડુ
वापस	=	પાછો, પરત
ठीक	=	ઠીક, ખરૂ
बल्कि	=	વળી

पाठ ७

१ अब = હવે, અત્યારે, હમણાં
२ तब = ત્યારે
३ कब = ક્યારે
४ जब = જ્યારે
५ यहाँ = અહીંઆ, અહીં
६ वहाँ = ત્યા
७ कहाँ = ક્યા
८ जहाँ = જ્યા

१ अभी = હમણાંજ, હજી
२ तभी = ત્યારેજ
३ कभी = કોઇપણ વખતે
४ जभी = જ્યારેજ

५ यहीँ =	અહીંજ	१ इधर =	આ તરફ
६ वहीँ =	ત્યાંજ	२ उधर =	તે તરફ
७ कहीँ =	કોઈપણ ઠેકાણે	३ किधर =	કઇ બાજુ
८ जहीँ =	જ્યાં	४ जिधर =	જે બાજુ

विधान.

१ 'क्यों' अने 'कि' भेगा पण आवे छे जेमके 'क्योंकि'

२ 'और' प्रसंग प्रमाणे त्रण अर्थमा आवे छे जेम —१ मैं और वे खाते हैं २ रोटी और लेना है? ३. वहां और कौन जाता है? यह और ही बात है इत्यादि

३ 'पण' 'भी' ना अर्थमा वाक्यनी वच्चे होय तोज आवे छे वाक्यना आरंभमां 'पण' ना अर्थमा 'पर' अने 'किन्तु' आवे छे जेम —હું પણ જાઉં છું=मैं भी जाता हूं

પણ તે નથી જતો=पर वह नहीं जाता

४ ताकीद करवामां, हुकम करवामां खास 'न' 'मत' आवे छे जेम —'ऐसा मत करो' 'वह ऐसा न करे'

५ 'नहीं' वाक्यमां आववाथी छेल्लो शब्द नीकळी जाय छे

जेमः—'१ वह जाता है } १ हम खाते है }
२ वह नहीं जाता } २ हम नहीं खाते }

१ वे सोते हैं } १ तू भागता है }
२ वे नहीं सोते } २ तू नहीं भागता }

६ न' वातने पाकी करवामा पण वपराय छे जेम —'क्यो ? ठीक है न ?" आ वाक्योमा छेलो शब्द 'है' अने 'है' नीकळी गयो छे

७ 'अब वगेरे आठ शब्दोमा ही जोडवाथी जे अर्थ सरे छे तेज अर्थ अनुक्रमे 'अभी' वगेरेथी सरे छे अेटले 'ही'नो समावेश थई जाय छे ही जुदो न लखाता 'अभी' वगेरे रूपथी लखाय छे जेमके —

अब ही = अभी*	यहाँ ही = यहीं
जब ही = तभी	वहाँ ही = वहीं
कब ही = कभी	कहाँ ही = कहीं
जब ही = जभी	जहाँ ही = जहीं

एवीज रीते:—

इस+ही=इसी, इन+ही=इन्हीं, उस+ही=उसी, उन+ही=उन्हीं, जिस+ही=जिसी, किस+ही=किसी, किन+ही=किन्हीं, वगेरेमां समजी लेवानु छे

स्वाध्याय ४

१ —नीचेना वाक्योने गुजराती भाषामा लखो —

१ मै यहा कब आती हूं ?‡ २ तुम यहा क्या करते हो ?

---

* कोई ठेकाणे 'अभी' वगेरे न लखता 'अब ही' वगेरे लखीने 'ही' जुदो पण लखाय छे

‡ शिक्षक महाशयोए आ वाक्यो विद्यार्थीओने शक्ति प्रमाणे आपवा

३ वह और तू किधर जाती है ?　　४ वह कहा खेलता है ?
५ हम भी किताब पढते हैं　　६ वे क्या लिखती है ?
७ तुम तो चाकू देती हो　　८ क्योंकि मै और चिट्ठी पढता हू
९ वह लोटा लेता है　　१० तू खूब हसती है
११ वे तो अभी सोते है　　१२ हम कब जागती है ?

---

१ पर गुरुजी तब कहा बैठते है ?　　२ अब यहा धूप बहुत है
३ तो क्या उधर भी छाया है ?　　४ हाँ वहा तो पास ही पेड है
५ तो फिर तुम कहा बैठती हो ?　　६ जहा वे बहुत भागती हैं
७ किन्तु मै अब जल्दी दौडता हू　　८ क्योंकि वे भी यहा फिर रहती हैं
९ पर तू तो वहा बहुत कूदता है　　१० क्या मैं वहा नही खेलती हू ?
११ वह रोटी खूब खाती है　　१२ अगर हम भी वहा ठहरते हैं

२—नीचेना वाक्योने हिन्दी भाषामा लखो

पुरुष होय तो

૧ તું શું કરે છે?　　૨ હું રમું છું　　૩ તેઓ જાય છે
૪ તમે ખાઓ છો　　૫ અમે લખીએ છીએ　　૬ તે ભણે છે
૭ તે [illegible] છે　　૮ તું શું મૂકે છે?　　૯ તેઓ [illegible] છે
૧૦ તમે નાચો છો　　૧૧ અમે સાંભળીએ છીએ　　૧૨ હું થોભું છું

स्त्री होय तो

૧ તું ક્યાં બેસે છે　　૨ હું પણ અહીં જાગું છું
૩ તમે ક્યારે આવો છો?　　૪ અમે ત્યારે જઈએ છીએ
૫ તેઓ પણ ત્યાં સૂએ છે　　૬ તે અહીંયા રહે છે

૭ તું નમકીન છે — ૮ પણ તે ખટાશ આપે છે

૯ તમે રોટલી કરો છો — ૧૦ અમે પણ શાક ખાઈએ છીએ

૧૧ હું જ ભિક્ષા કરું છું — ૧૨ તું ભાત ખાય છે

पाठ ८

गिनती = આંક

१ एक = ૧ એક	अकेला = એકલો	पहला = પહેલો
२ दो = ૨ બે	दोनों = બંને	दूसरा = બીજો
३ तीन = ૩ ત્રણ	तीनों = ત્રણે	तीसरा = ત્રીજો
४ चार = ૪ ચાર	चारों = ચારે	चौथा = ચોથો
५ पाँच = ૫ પાંચ	पाँचों = પાંચે	पाँचवाँ[1] = પાંચમો
६ छह = ૬ છ	छहों = છએ	छठा = છઠ્ઠો
७ सात = ૭ સાત	सातों = સાતે	सातवाँ = સાતમો
८ आठ = ૮ આઠ	आठों = આઠે	आठवाँ = આઠમો
९ नौ = ૯ નવ	नौओं = નવે	नवाँ = નવમો
१० दस = ૧૦ દસ	दसों = દસે	दसवाँ = દસમો

---

१ गुजरातीनी माफक हिंदीमां पण पांचने अने सातथी दरेक आंकडे "वाँ" प्रत्यय लगाडाय छे

पाठ ९

गेंद	=	દડો	कटहल	-	ફણસ
रथ	=	રથ	छत्री	=	છત્રી
अगीठी	=	સગડી	घडा	=	ઘડો
सकोरा	=	શકોરૂ	धुजा	=	ધજા
चिडिया	=	ચકલી	जहाज	=	વહાણ
बेल	=	બોલી	पतग	=	પતગ
बिल्ली	=	બિલાડી	तलवार	=	તરવાર
चूहा	=	ઉંદર	गदहा	=	ગધેડુ
टट्टू	=	ટટ્ટુ	नगाडा	=	નગારૂ
गाय। गौ।	=	ગાય	मक्खी	=	માખી
मकडी	=	કરોળિયો	उंगली	=	આંગળી

पाठ १०

खरल	=	ખરલ	घास	=	ઘાસ
बकरी	=	બકરી	गुलाब	=	ગુલાબ
बैल	=	બળદ	लड़का	=	છોકરો
हल	=	હળ	लड़की	=	છોકરી

हिरन	=	હરણ	बाग	=	વાડી
फूल	=	ફૂલ	खेत	=	ખેતર
आम	=	કેરી	जंगल	=	જંગલ
आमका पेड	=	આંબો	पानी	=	પાણી
सीताफल, शरीफा	=	સીતાફળ, અનૂરા	दूध	=	દૂધ
			दही	=	દહીં
गन्ना	=	શેરડી	बरफी	=	બરફી
रस	=	રસ	पेडा	=	પેંડા
बेर	=	બોર	मट्ठा	=	છાસ
मक्खन	=	માખણ	लड्डू	=	લાડુ

पाठ ११

सिर्फ	=	માત્ર	बजना	=	વાગવું
पक्का	=	પાકો	दिन	=	દિવસ
कच्चा	=	કાચો	रात	=	રાત
हलुवा	=	શીરો	मदरसा, पाठशाला	=	નિશાળ
पूरी	=	પુરી	परीक्षा, इम्तिहान	=	પરીક્ષા

जलेबी	=	જલેબી	फल नतीजा परिणाम	=	પરિણામ
पापड़	=	પાપડ	इमला श्रुतलेख	=	શ્રુતલેખ
खिचड़ी	=	ખીચડી	छमाही	=	છ માસિક
कढ़ी	=	કઢી	वार्षिक सालाना	=	વાર્ષિક
घी	=	ઘી	तिमाही	=	ત્રિમાસિક
तेल	=	તેલ	चम्मच	=	ચમચો
चिमटा	=	ચીપીઓ	पतीली	=	તપેલી
वह	=	પેલો	कुछ	=	કંઇ
तवा	=	તવો	कॉपी	=	નોટ
चूल्हा	=	ચૂલ્હો	कैंची	=	કાતર
चौका	=	ચોકો	मूजा	=	સોયો
चटनी	=	ચટણી	रूल, रौल	=	આંકણી
आचार	=	અથાણુ	सुई	=	સોય
ठंडा	=	ટાઢુ	डोरा धागा	=	ધાગો
गरम	=	ગરમ ઊનુ	घड़ी	=	ઘડિયાળ

कड़ाही	=	કડાહી	घटा	=	કલાક
भात	=	ભાત	घंटी	=	ઘંટ
			चक्की	=	ઘંટી
पनीर शिखरन	=	શિખંડ	जोड	=	સરવાળા
मलाई	=	મલાઇ	बाक़ी	=	બાદબાકી
रबड़ी	=	બાસુંદી	ज़रब, गुणा	=	ગુણાકાર
खोया	=	માવો	भाग तकसीम	=	ભાગાકાર

स्वाध्याय ५

१:—नीचेना वाक्योने गुजराती भाषामां लखो.

१ रामचंद्र आज कल वहां क्या पढता है ?
२ यहाँ एक बकरी दो बैल और तीन हिरन पानी पीते हैं
३ लडकी गाना गाती है और लडका नगाडा बजाता है
४. गाय घास यहीं खाती है पर टट्टू और घास नहीं खाता.
५ सीता आम बहुत खाती है. मैं भी ज्यादह खाता हूं.
६ पर लडका और लडकी दोनों नहीं खाते, मैं तो अभी पढता हूं
७ वह पाँचवाँ जहाज जाता है यहां भी मक्खी बैठती है
८ हिरन बहुत दौडता है, पर बिल्ली बहुत नहीं भागती
९ तू क्यों खेलता है, और फिर क्यों रोता है ? हम अब यहां नहीं ठहरते

१० यहाँ क्या होता है, वहा तो खूब दूध होता है पर गाय नहीं देती.

११ यहाँ आम का पेड है, वहाँभी छाया है तू और गन्ना क्यों खाता है

१२ वे परीक्षा देते है, हम हिंदी पढते है और कॉपी लिखते है

१३ मै इमला लिखता हू, तू इमला सुनता है वह इम्तिहान नहीं देता

१४ वे आचार खाते हैं, हम तो गरम दूध खूब पीते है, वह ठडा पीता है.

१५ तबा गरम है, तू खिचडी क्यों नहीं खाता, और हलवा बहुत खाता है

१६ मैं छमाही परीक्षा देता हू और खूब जल्दी लिखता हूं. क्यो ठीक है न ?

२ — मै' नी साथे 'जाना' आवे तो "मै जाता हू' वाक्य बने 'तुम' नी साथे करना' आवे ता तुम करते हो" वाक्य बने. वगेरे, एवी ज रीते थोडाक वाक्य बनावो

पुरुष			स्त्री		
जेमः—'हम'	नी साथे	दौड़ना	'मैं'	नी साथे	'आना'
'वे'	,,	खाना	'तू'	,,	'धरना'
तू	,,	रोना	तुम	,,	बैठना
मै	,,	खेलना	वे	,,	रखना
वह	,,	ठहरना	हम	,,	देना
तुम	,,	भागना	वह	,,	बनाना
क्या	,,	होना	क्या	,,	सुनना
और	,,	पढना	फिर	,,	लिखना

३—जेम 'खाता हूं' 'पीते हैं' 'खेलते हो' वगेरेनी पहेला 'मैं' 'हम' 'वे' 'तुम' वगेरे लागे छे तेम नीचेना शब्दोनी पहेला लगाडो अने खाली जगाना पूरा वाक्य बनावो

पुरुष.

१	दौडता हूं	४	जाते हो
२	खाते हैं	५	जाता है
३		६	,,

स्त्री

१	खेलती हैं	४	खेलती हैं
२	,,	५	,,
३	खेलती हो	६	खेलती हूं

ऊपरनां बधा वाक्योंने पण लखी, पछी गुजराती भाषामा लखो

४— २, ३, ६, ९ आ अकोने हिंदी उच्चारमा लखो

५—પણ, જે, જલદી, નજીક, ન મન, હમણાં જ, આ તરફ જ, તા આત ૭ના, એટલે, આગળ, आ शब्दोने हिंदी भाषामा लखो

पाठ १२

ने	=	એ	माताने	=	માતાએ
को	=	ને	माताको	=	માતાને

से	=	થી	मातासे	=	માતાથી
,,	=	એ, વડે	,,	=	માતાએ, માતા વડે
के लिये	=	ને માટે	माताके लिये	=	માતાને, માટે-કાજે
का	=	નો, નુ	माताका	=	માતાનો, માતાનુ
की	=	ની	माताकी	=	માતાની
के	=	ના	माताके	=	માતાના
,,	=	નાં	,,	=	માતાનાં
में	=	માં	मातामे	=	માતામાં
पर	=	ઉપર	मातापर	=	માતા ઉપર

(अनेक)

स्त्री—आ	पुरुष—अ
माता	लोग
माताओंने	लोगोंने
माताओं को	लोगो को
माताओं से	लोगों से
माताओं के लिये	लोगों के लिये
माताओं का, के, की,	लोगों का, के, की
माताओं में, पर	लोगों में, पर

पुरुष—अ	(एक)	स्त्री—ई
देव		नारी
देव को		नारी को
देव से, ने		नारी से, ने
देव के लिये		नारी के लिये
देव का, की, के		नारी का, की, के
देव में		नारी मे
देव पर		नारी पर

पाठ १३

(एक)

राम ने	= રામે	शम्भु ने	= શંભુએ
राम को	= રામને	शंभु को	= શંભુને
राम से	= રામથી	शम्भु से	= શંભુથી
राम के लिये	= રામને માટે	शम्भु के लिये	= શંભુને માટે
राम का	= રામનો, રામનુ	शम्भु का	= શંભુનો, શંભુનુ
राम की	= રામની	शम्भु की	= શંભુની
राम के	= રામના	शम्भु के	= શંભુના
राम में	= રામમાં	शम्भु में	= શંભુમાં
राम पर	= રામ ઉપર	शम्भु पर	= શંભુ ઉપર

आ, पाठमा आवेला 'ने' 'को' वगेरे मोटा अक्षरे लखेला शब्दोने 'सुमति' 'भद्रा' 'प्रभु' 'देव' 'लडकी' अने 'मन्दिर' शब्दो साथे उपर प्रमाणे जोडीने बोली जाओ

पाठ १४

पुरुष('आ'नो 'ए')

१ છોકરો =	लडका	लड़केने	= છોકરાએ
२ રમકડુ =	खिलौना	खिलौने को	= રમકડાને
३ દરવાજો =	दरवाजा	दरवाजे से	= દરવાજાથી
४ કપડુ =	कपडा	कपड़े के लिये	= કપડાને માટે
५ લોટો =	लोटा	लोटे का	= લોટાનો
६ કોથળો =	थैला	थैले की	= કોથળાની
७ વાડકો =	कटोरा	कटोरे में	= વાડકામાં
८ પહેરણ =	कुरता	कुरते पर	= પહેરણ ઉપર

पुरुष—अनेक

लड़कोंने	देवों ने
खिलौनों को	कुमारों को
दरवाजों से	हाथों से
दरवाजों के लिये	शाकों के लिये
दरवाजों का	पैरों का, की
कटोरों में	दाँतों में
थैले पर	दाँतों पर

स्त्री

अ		ई
एक	अनेक	अनेक
बात	बातें	नारियां
बात को	बातों को	नारियों को
बात से, ने	नाकों से, ने	नारियोंने
बात के लिये	रातोंके लिये	नारियों के लिये
घास का, की	ऑखों का की, के	नारियों का, की, के
लान में	ऑतों मे	नारियों म
रात पर	ऑतों पर	नारियों पर

विधान.

जेम मातान 'माता से' 'राम के लिये 'शत्रु म 'शत्रु का' वगेरे शब्दोमा मूळ शब्दमा कई फेर थतो नथी तेम 'लड़का खिलौना' वगेरे आठ शब्दोमा तेमज एवी जातना बीजा शब्दामा नथी कारण ए पुरुष जेवा बोलाय छे नहि स्त्री जेवा, एटले पुरुष जेवा बोलाता शब्दाना छेल्ला कानानो 'ए' थई जाय छे जेमके उपर थयु छे, के —

लडके ने, कटोरे मे वगेर, नहि के लड़का ने, कटोरा मे,

गुजरातीमा पण एने मळता फेरफार थाय छे जेमके —

ચોટો	=	ચોટામાં	બચ્ચુ	=	બચ્ચાને
છોકરા	=	છોકરાો	લાકડુ	=	લાકડાનુ વગેર

पाठ १५

'को' वगेरेनीसाथे	'मैं' नो	'मुझको' 'मेरा'	हमारा वगेरे थायछे	
,,	'तू' ,,	तुझको, 'तेरा'	तुह्मारा तुमसे	,
,,	'वह' ,,	उसको,	'उनका'	,,
,,	'यह' ,,	इसका,	इनको,	,,
,,	'जो' ,	जिसमे,	जिन्हसे	,,
,,	'कौन' ,,	किसको,	किनको,	,
,	'कोई' ,,	किसीका,	किन्हींमें	,,

एक

जेमकः—मैं वह

मैं	=	હું	वह	-	તે (પેલો)
मुझको / मुझे	=	મને	उसको / उसे	=	તેને
मुझसे	=	મ્હારાથી	उससे	=	તેનાથી
मेरे लिये	=	મ્હારા માટે	उसके लिये	=	તેને માટે
मेरा	=	મ્હારો, મ્હારૂ	उसको	=	તેનો, તેનુ
मेरी	=	મ્હારી	उसकी	=	તેની
मेरे	=	મ્હારા	उसके	=	તેના
मुझमें	=	મ્હારામાં	उसमें	=	તેમાં
मुझ पर	=	મ્હારા ઉપર	उसपर	=	તે ઉપર

एवीज रीसे 'तू' 'यह' 'जो' 'कौन' 'कोई' ना विषे समजी लेवानुं छे

अनेक

मैं—	हम हमारा, हम से, हमें हमारे लिये, हमारे में
तू—	तुम तुह्मारा, तुम से तुम्हें, तुह्मारे लिये, तुह्मारे मे,
वह—	उन, उन्होंका, उन के लिये, उन में
यह—	ये इन, इनका, इन्हों में, इन के लिये
जो—	जिन, जिन्ह जिनका, जिन्होंने, जिन्होंका,
कौन–	किन, किन्ह, किन्होने, किन से,
कोई–	किस, किसीका, कसीमे—वगेरे

स्वाध्याय ६

१:—'मैं नी माफक (पाठ १८ प्रमाणे) तू, जो, कौन, कोई-ईना रूप लखो.

२:—नीचेना वाक्योने हिंदी भाषामां लखो:—

१ અહીં ઘરમા તુ શુ મૂકે છે? મ્હારી ચોપડી કેણુ લે છે?

૨ ઝાડ ઉપર ચકલી બેસે છે પણ ફળ ખાતી નથી

૩ તેના ઘરમા ફુલ છે આના ઘરમા છોકરી રમે છે

૪ આંબા ઉપરથી કેરી પડે છે, તેને હુ ખાઉ છુ, તને પણ આપુ છુ.

૫ છોકરો વાડીમાથી સીતાફળ લે છે હુ તેને શેરડી આપતો નથી.

६ તેની ગાય દૂધ આપે છે, તેના ગેરથી દૂધ લઉ છુ

७ વાડીમા કરોળીઓ છે તેનો ગેડરો કમ નહાસ છે?

८ તુ ક્યાથી આવે છ અને તઓને માટે શુ આપે છે?

९ ખેતરમા બળદ ઘાસ (નો) માય છે અને હજી પણ ત્યાજ છે

१० આ લોટામા દૂધ છે, પણી નથી આ ઝાડથી ડાળ પડે છે?

११ તેઓ વાડકા વડે દૂધ પીએ છે અને થાળીમા ખાય છે

१२ આ પેહેરણ તે છોકરાનુ છે વાડામા કોણ રમે છે?

१३ માતાને માટે તે કેરી આવે છે તે લોટાનુ પાણી

३ः—नीचेना वाक्योमां भूलो काढोः—

१ माते के घर जाता हैं   २ लडका का पुस्तक है

३ लोटा में क्या रखता है ?   ४ भद्र के लिये क्या देतो हो?

५ तुम किसके घर ठहरता है   ६ हम तुह्मारे घर आता है

४ः—नीचेना वाक्योने गुजराती भाषामां लखोः—

१ हम तेरे घर नहीं आते   २ मुझे तू सीताफल क्यों देता है ?

३ तू माता के लिये क्यों नहीं देता   ४ भद्रा के लिये देता है.

५ यह किस लडके का पुस्तक है ?

६ राम लोटे में दूध रखता है   ७ तू लडके का आम क्यों लेता है ?

८ मैं यहा रोज लिखता और पढता हू

पाठ १६

गा, गी, गे = शे, ईश, शुं, शो

पुरुष

१ मैं आऊंगा = હુ આવીશ	२ हम आयेंगे = અમે આવીશુ
३ तू आयेगा = તુ આવીશ	४ तुम आओगे = તમે આવશો
५ वह आयेगा = તે આવશે	६ वे(वह)आयेंगे = તેઓ આવશે

स्त्री

मैं आऊंगी = હુ આવીશ	हम आयेंगी = અમે આવીશુ
तू आयेगी = તુ આવીશ	तुम आओगी = તમે આવશો
वह आयेगी = તે આવશે	वे(वह) आयेंगी = તેઓ આવશે

पाठ १७

मैं आऊंगा = હુ આવીશ	हम आयेंगे = અમે આવીશુ
मैं आऊंगी = * ,,	हम आयेंगी = ,,
तू आयेगा = તુ આવીશ	तुम आओगे = તમે આવશો
तू आयेगी = ,,	तुम आओगी = ,,
वह आयेगा = તે આવશે	वे(वह)आयेंगे = તેઓ આવશે
वह आयेगी = ,,	वे(वह)आयेंगी = ,,

* गुजराती अर्थमां वाक्यरूप पुल्लिंग प्रमाणे ज

स्वाध्याय ७

१ नीचेना शब्दोने हिंदीमां लखो:—

શિક્ષા માટે, બગીચામાં, ઝાડ ઉપર, ગથળામાં ફળ, કાગળ પેન્ની ગાડી ચોપડીનો કડો, તળાવ તળાવ મને, આને ત્યાનથી, કનમ વડે, પેન્સીલથી રામનો, ભદ્રાની, તેનું ઝાડનો

२:—नीचे बतावेली मींडां मूकेली खाली जगाए शुं लखवुं जोइए ?

पुरुष

आज खेलेंगे.	= અમે આજે તમારા ઘેર રમીશું
तुम कल क्या	= તમે તેને માટે કાલે શું આપશો?
मैं उस खिलौने	= હું તેને ગાડીઓ તથા રમકડાં આજે આપીશ
तू किसके आज लेगा ?	= તું કોના ઘરથી આજે કેરી લઈશ?
वे चाकू	= તેઓ મારા ચપ્પુ મને આપે.
गाम ता लड्डु	= પણ રામ તો મોહનને લાડુ આપશે નહિં

स्त्री

भद्रा यहा खूब	= ભદ્રા દાનથી અહીં ખૂબ રમશે
हम दौड़ेंगी	= અમે પણ ખડકીમાં દોડીશું
तू क्या देगी	= તું ગાડનમાં ગાગર માટે શું આપીશ?
मेरे आजसे खूब	= તમે મારે ઘેર આજથી ખૂબ રમશો
मैं उस पेड़ पर. आम	= હું તે ઝાડ પરથી તને કેરી આપીશ
वे घर से ,	= તેઓ ઘેરથી ત્હારા માટે ખડીયા આપશે

३:—नीचेना शब्दोना गुजरातीमां (सर्वनाम कर्त्ता साथे) अर्थ करोः—

कूदूंगी दौडोगे, पढूंगा रोते है, ठहरती हैं, सुनूंगा, कहूंगे, ठहरोगे, लिखूंगा, बैठती है, उठते हो, रखती हूं, जागूंगी, पिओगे सोता हूं दोगी, लेंगे पढता हूं, जायेंगे, आओगे भागूंगा आता हूं, खेलती है, खेलेगी, हंसूंगा, रोऊंगी

४:—पाछला पाठोमां आवेला आना, जाना, वगेरे साथे थोडाक शब्द अने अव्ययो जोडीने नवा २० वाक्य बनावो

पाठ १८

लाना	= લાવવુ	हो आना	= જઈ આવવુ
लेजाना	= લઈ જવુ	चलना	= ચાલવુ
बुलाना	= બોલાવવુ	फिरना	= ફરવુ
टेरना	= તેડવુ	घूमना	=
गाना	= ગાવુ	टहलना	= ,,
बजाना	= વગાડવુ	ढूंढना	= શોધવુ
बिछाना	= પાથરવુ	खोजना	= તપાસવુ
ओढना	= ઓઢવુ	लोटना	= આળોટવુ
पहिनना	= પહેરવુ	लेटना	= ,,

निचोडना = નિચોવવુ

माँजना = અજવાળવુ

मलना = મસળવુ

मिलना = મળવુ

समझना = સમજવુ

खोलना = ખોલવુ

चूसना = ચૂસવુ

चाटना = ચાટવુ

तानना } = { તાણવુ
खींचना } = { ખેંચવુ

मारना = મારવુ

पीटना }
ठोंकना } = ટીપવુ

कूटना = કૂટવુ

पीसना = દળવુ

राँधना = રાંધવુ

पकाना = પકવવુ

तलना = તળવુ

पकड़ना = ઝાલવુ, પકડવુ

भरना = ભરવુ

घुसना = પેસવુ

लौटना = પાછા આવવુ

सूँघना = સૂંઘવુ

देखना = જોવુ, દેખવુ

छूना = અડકવુ

चाखना = ચાખવુ

उघाड़ना = ઉઘાડવુ

काटना = કાપવુ

कतरना = કાતરવુ

नापना = માપવુ

जोडना = જોડવુ

तोडना = તોડવુ

फोडना } = ફોડવુ
चीरना } = ચીરવુ

फाडना = ફાડવુ

पूछना = પૂછવુ

पाना = પામવુ

पोंछना = લુછવુ

छोडना = છોડવુ, મકવુ

डालना = નાખવુ

निकलना = નિકળવુ

बनाना = કરવુ, બનાવવુ

पाठ १९

पहुचना*	= પહોંચવું	खाँसना	= ખાંસવું
जानना	= જાણવું	अटकना / हिचकना	= અટકવું
लगना	= લાગવું	भीना	= ભવવું
सूझना	= સુઝાવું	चिल्लाना	= બરાડવું
झटकना	= ઝાટકવું	डौंकना	= ચીસ પાડવી
चमकना	= ચળકવું	हाँकना	= હંકાવવું
गरजना	= ગાજવું	पलटना	= પલટાવું
न्हाना	= ન્હાવું	सुलगना	= સળગવું
धोना	= ધોવું	दाबना	= દાબવું
खोदना	= ખોદવું	ढाँकना	= ઢાંકવું
जोतना	= જોડવું	झपटना	= ઝપટી લેવું-પડાવી લેવું
बोना	= વાવવું	छीनना	= છીનવી લેવું
छीलना	= છોલવું	छेदना	= વીંધવું
छानना	= ગાળવું	कुचलना	= કચડી નાખવું
बीनना	= વીણવું	बटना	= વાટવું
बुनना	= વણવું	चढना	= ચઢવું
गूथना	= ગૂંથવું	उतरना	= ઉતરવું
छूटना	= છૂટવું	खडा होना	= ઉભા થવું
थूकना	= થૂંકવું	चुप होना	= છાનું રહેવું
छींकना	= છીંકવું	सकना	= શકવું
बैठ जाना	= બેસી જવું		

* अहीं क्रियावाची अने बीजा शब्दोवडे शिक्षकोए विद्यार्थीने नवा वाक्य बनाववा माटे तेमज भाषान्तर करवा माटे तेमना स्वाश्रयने जाळवत । दोरवा

पाठ २०

किसान = ખેડુત
अकेला = એકલો
सब = બધા
छोटा = ન્હાનો
बड़ा = મોટો
तोता = પોપટ
मैना = મેના
कौआ = કાગડો
मुर्गी = મરઘી
मोर = મોર
कबूतर = કબૂતર
चील = સમડી
गिद्ध = ગીધ
भैंसा = પાડો
नाज / अनाज = અનાજ, દાણા
अंडा = ઇંડુ
कोयल = કોયલ
मच्छर = મચ્છર
चींटी / कीड़ी = કીડી

हाथ = હાથ
पैर = પગ
बात = વાત
अच्छा = સારો
बुरा = નઠારો ખોટો બુરો
बुड्ढा = ઘરડો
जवान = જુવાન
बंदर = મરકટ, માંકડુ
लंगूर = વાનરા
कुत्ता = કૂતરૂ
बछड़ा = વાછરડો
भैंस = ભેંસ
कटिया = પાડી
घोड़ा = ઘોડો
बछड़ी = વાછરડી
नमक = મીઠું
मिरच = મરચું
मसाला = મસાલો
ज़ीरा = જીરૂ
मेथी = મેથી

खटमल	=	માકડ	लौंग	=	લવીંગ
पिस्सू	=	ચાચડ	अजवाइन	=	અજમો
गिलहरी	=	ખીસકોલી	काली मिरच	=	મરી
छिपकली	=	ગીલોડી	हलदी	=	હળદર
बर्रे, भिड़	=	ભમરી	नींबू	=	લીંબુ
भौंरा	=	ભમરો	धनिया	=	ધાણા
शहद्की मक्खी	=	મધમાખ	हाँडी	=	હાંડલી
बेसन	=	વેસન	सूजी	=	રવો
गुड़	=	ગોળ	शक्कर	=	ખાંડ
मिश्री	=	ખડી સાકર	नमक	=	મીઠું

पाठ २१

जामन	=	જાંબુ	फीका	=	મોળું
खिरनी	=	રાયણ	नमकीन	=	ખારૂં
अमरूद	=	જામફળ	कड़ुआ	=	કડવો
ककड़ी	=	કાકડી	खट्टा	=	ખાટો
खरबूज़ा	=	સકરટેટી	मीठा	=	ગળ્યો
अंड खरबूजा	=	પપૈયા	चरपरा	=	તીખો
मूंगफली	=	મગફળી	बाजरा	=	બાજરી
बेर	=	બોર	ज़ुआर	=	જુવાર

सतरा	=	મતરૂ	**गेहू**	=	ઘઉં
नारंगी	=	નારંગી	**जौ**	=	જવ
अजीर	=	અંજીર	**उड़द**	=	અડદ
किश्मिश	=	સૂકી દ્રાક્ષ	**चावल**	=	ચોખા
अंगूर	=	લીલી દ્રાક્ષ	**अरहर**	=	તુવેર
बादाम	=	બાદામ	**मूंग**	=	મગ
चना	=	ચણા	**लोभिया**	=	ચોરા
मटर	=	વટાણા	**सेम**	=	વાલોર
करेला	=	કારેલું	**ककोड़ा**	=	કંકોડું
कद्दू	=	કોળું	**पख्वल**	=	પરવળ
गोला (नारियल)	=	ટોપરૂં	**भिंडी**	=	ભીંડા
छुहारा	=	ખારેક	**बैंगन**	=	રીંગણાં–વેંગણ
तरबूज	=	તડબૂચ	**पोदीना**	=	ફુદીનો
इत्र	=	અતર	**अदरक**	=	આદુ
गुलाब	=	ગુલાબ	**घुइया**	=	અળૂખડી
चमेली	=	ચમેલી	**घुइयाके पत्ते**	=	પાતરા
पसारी	=	ગાંધી	**आलू**	=	બટાટા
बेला	=	મોગરો	**कंडा उपला** }	=	છાણું
जुही	=	જાઈ	**आग**	=	દેવતા
केला	=	કેળું	[illegible]	=	[illegible]

सेब	=	સફરજન	लकडी	=	લાકડી
अनार	=	દાડમ	कोयला	=	કોલસા
अनन्नास	=	અનનાસ	ईंधन	=	બળતણ
बथुआ	=	ચાકવત	धुँआ	=	ધુમાડો
सोया*	=	સવા	पालक	=	પાલક



स्वाध्याय ८

१:—नीचेनां वाक्योने हिन्दी भाषामां पूरा रचो:—

'मै' नी साथे 'आना' आवे तो 'आऊंगा' वाक्य बने तुम नी साथे आना' आवे तो 'तुम आओगी' "तुम आओगे" वाक्यो बने वगेरे, एबीज रीते थोडाक वाक्या बनावो साथे तेनु गुजरात करशो

:—

पुरुष			स्त्री		
मै' नी साथे		'सीना'	'म' नी साथे		'मारना'
वे	,,	बैठना	तुम	,,	लेजाना
तू	,,	खोजना	तू	,,	माँजना
तुम	,,	मिलना	वे	,,	धोना

* पाठ १८, १९ ना धातु तथा पाठ २०, २१ ना शब्दो साथे पोतानी इच्छा प्रमाणे थोडाक नवा वाक्यो बनाववा

हम	,,	तानना	हम	,,	न्हाना
वह	,,	पीसना	जो		छोड़ना
जो	,	गाना	कौन	,,	कतरना
कौन	,,	लाना	वह	,,	चाखना

२:—जेम 'आऊंगा' 'आओगे' 'पकाती हूं' वगेरेनी पहेलां 'मैं' 'तुम' वगेरे लागे छे, ते रीते नीचेना शब्दोनी पहेलां लगाडो.

१	हांकते हो	९	खायेंगी
२	काढ़ती हैं	१०	चढ़ेंगे
३.	आती हो	११	चुप होती
४	कब आऊंगी	१२	बीनता हूं
५	खोदेगा	१३	खोदते हो
६	बोयेगी	१४	क्या खाता है?
७	जाता हू	१५	क्यों चौंकेगी?
८	लाऊंगा		

३:—नीचेना वाक्योने गुजराती भाषामां लखो:—

१ आजकल रामचद्र बाग में जाता है और बहुत फूल तोडता है
२ तू किसके घर से अनार लाता है वे सब फिर क्या खायेंगी
३. वहा पर कौन पढ़ेगी जहा गुरुजी कभी भी नहीं बैठते.
४ आजकल गन्ना चूसना अच्छा लगता है, बड़ा मीठा होता है
५ तुम हमारे घर आम कब खाओगे, अभी तो बहुत होते हैं
६ मैं खट्टे आम नहीं खाती, मुझे तो मीठे बहुत अच्छे लगते हैं
७ आम के ऊपर दूध पियेगी तो अच्छी बात होगी

८ रबड़ी और हलुपका बहुत खाना अच्छा नहीं, मैं तो फल खाऊंगा

९ थोडे दिन से मैं बहुत पढता हू क्योंकि अब परीक्षा होगी.

१०. अब बारह बजेंगे, हम आते हैं, कुछ खाना खायेंगे

११ मैं तीन दिन से केवल दूध पीती हूं, दाल, रोटी भात नहीं खाती.

१२ उस के घर की दाल में मसाला बहुत पड़ता है, मुझे अच्छी नहीं लगती

१३ मैना ओर तोता दोनों आमके पेड पर मीठा मीठा बोलते हैं

१४ चीलने उस लड़की के हाथ में से पूरी झपट ली. वह अब रोयेगी

४:—नीचेना वाक्योने हिंदी भाषामां लखो:—

૧ હુ હમણાજ દરવાજે ઉઘાડીશ તેઓ તેમા શુ ત્યારેજ પેસી જશે?

૨ તમે નિશાળેથી જ્યારે આવશો, મને ત્યારેજ તેડજો, તો હુ તરત આવીશ

૩ જેને તમે દાડમ આપો છો શુ તે તમને પાછો આપશે તે તમે જાણો છો?

૪ અમે તો હવે પાચ વાગે ઉઠીશુ ને પછી વાડીમા ફરીશુ, તેઓ અમારી જોડે આવશે

૫ એ છોકરાની સોય તમે લેશો નહિ, તો તે તરત રડશે ને બબડા પાડશે, જાણો છો ને

૬ આ ચપ્પુ કોનો છે? જેનો છે તેને આપી દેશો તો સારુ થશે, તે રડશે નહિ

૭ આ તરફના લોકો શુ ખાય છે? તે તરફના તો દાળ, ભાત રોટલી, કઢી અને ખીચડી ખાય છે

૮ તુ તડકામા કેમ ફરે છે, પેલા ઝાડ નીચે નથી એમતો, જ્યા સારી ઠડી છાયા છે

૯ અમારા ઘરમા બિલાડી આવે છે ને રોજ ઘણા ઉદરાને ખાઇ ગઇ છે, વળી હજી ખાશે

૧૦ તેઓ હમણાથીજ કોઇપણુ ઠેકાણે એકલા જશે ત્યારેજ વહેલો પહોચશે

૧૧ તે છોકરી દેવતા (ને) સળગાવે છે, તેથી ધુમાડો થાય છે આ ઘર બહુ ગરમ થશે

૧૨ નો પણ અમે તો આજે અહીજ રહીશુ ને તમારી જોડે દડાથી ખૂબ રમીશુ, તમે રમશો ને ?

૧૩ તેના ઘરમા કાલે રીંગણા, બટાટાનુ શાક થશે ને સાથે દાળ, ભાત અને શીરો પણ થશે

૧૪ તમારી વાડીમા પપૈયા થાય છે કે નહિ ? મ્હારી વાડીમા તો ઘણા પણ

૧૫ તમે આ તરફ શુ જુવો છો ? હુ તમારી કલમ જતો નથી હુ તો મ્હારી જ લઉ છુ

૧૬ રામચદ્ર તો ખારેક, બદામ અને અજીર બહુ ખાય છે નથી તો હુ આપીશ

૧૭ તમે જ્યારે અહીંથી છૂટશો ત્યારે સાથે મને પણ લઇ લેશો કે

૧૮ પેલો ખેડુત ખેતરમાં શુ વાવશે તે તુ જાણે છે ? હા ! ઘઉ વટાણા

૧૯ તેના ઘરમા તો મચ્છર, માકણ, ચાચડ બહુ છે અમે તો ત્યા એક પણુ દિવસ રહીશુ નહિ

૨૦ મ્હારી ગાયનો વાછરડો બહુ કૂદે છે, ને ઘણો દોડે છે, મને કોઈ પણ વખતે મારશે પણ

---

§ हुक्म आपवामां बीजा पुरुषमां तू जाना=तु जजे, 'तुम जाना=तमे जजो' एवा पण रूप थाय छे

पाठ २२

पुरुष

आ		ए	
१ मैं गया‡	= હુ ગયો	२ हम गये	= અમે ગયા
३ तू गया	= તુ ગયો	४ तुम गये	= તમે ગયા
५ वह गया	= તે ગયો	६ वे (वह) गये	= તેઓ ગયા

(ा)		(े)	
१ मै गया था	= હુ ગયો હતો	२ हम गये थे	= અમે ગયા હતા
३ तू गया था	= તુ ગયો હતો	४ तुम गये थे	= તમે ગયા હતા
५ वह गया था	= તે ગયો હતો	६ वे(वह)गये थे	= તેઓ ગયા હતા

स्त्री

ई	ઈ	ईं	ઈં
१ मैं गई	= હુ ગઈ	२ हम गईं	= અમે ગઈ (ગયા)
३ तू गई	= તુ ગઈ	४ तुम गईं	= તમે ગઈ, ,
५ वह गई	= તે ગઈ	६ वे(वह)गईं	= તેઓ ગઈ,

ई	ઈ	ईं	ઈં
१ मैं गई थी	= હુ ગઈ હતી	२ हम गईं थीं	=અમે ગઈ હતી, (ગયા હતા)
३ तू गई थी	= તુ ગઈ હતી	४ तुम गईं थीं	=તમે ગઈ હતી, ,
५ वह गई थी	= તે ગઈ હતી	६ वे(वह)गईं थीं	=તેઓ ગઈ હતી, ,

---

‡ एजरीते बैठा, बैठे, सोया, सोये, [illegible], [illegible] झूला, रोया, हँसा, गिरा, पड़ा, भागा दौड़ा वगेरेमां समजी लेवानुं छे.

पाठ २३

पुरुष-स्त्री बन्ने

१ (मैं)—मैंने खाया	=	(હું)—મે ખાધુ
३ (तू)—तूने खाया	=	(તુ)—તે ખાધુ
५ (वह)—उसने‡ खाया*	=	(તે)—તેણે ખાધુ
२ (हम)—हमने खाया	=	(અમે)—અમોએ ખાધુ
४ (तुम)—तुमने खाया	=	(તમે)—તમોએ ખાધુ
६ (वे)—उन्होंने खाया	=	(તેઓ)—તેઓએ ખાધુ

मैंने खाया§ था = મે ખાધુ હતુ हमने खाया था = અમોએ ખાધુ હતુ

तूने खाया था = તે ખાધુ હતુ तुमने खाया था = તમોએ ખાધુ હતુ

उसने खाया था = તેણે ખાધુ હતુ उन्होंने खाया था = તેઓએ ખાધુ હતુ

मैंने खाया है = મે ખાધુ છે हमने खाया है = અમોએ ખાધુ છે

तूने खाया है = તે ખાધુ છે तुमने खाया है = તમોએ ખાધુ છે

उसने खाया है = તેણે ખાધુ છે उन्होंने खाया है = તેમણે ખાધુ છે

---

‡ जुओ पाठ १५ 'वह'ना उस, उन, वगेरे

* अहीं 'मैं गया' नी माफक 'मैं खाया' वगेरे नथी, ते सकर्मक विषे वधु बीजा भागमां समजाववामां आवशे

§ खाया+था=खाया था एवीज रीते धरा, रक्खा, क्रिया, पिया, लिया, दिया, तोड़ा, डाला, उठाया, मारा, पीटा, वगेरेमां समजी लेवानुं छे

पाठ २४

११ ग्यारह*	=	અગ્યાર	३१ इकतीस	=	એકત્રીસ
१२ बारह	=	બાર	३२ बत्तीस	=	બત્રીસ
१३ तेरह	=	તેર	३३ तैंतीस	=	તેત્રીસ
१४ चौदह	=	ચાદ	३४ चौंतीस	=	ચોત્રીસ
१५ पन्द्रह	=	પંદર	३५ पैंतीस	=	પાત્રીસ
१६ सोलह	=	સોળ	३६ छत्तीस	=	છત્રીસ
१७ सत्रह	=	સત્તર	३७ सैंतीस	=	સાડત્રીસ
१८ अठारह	=	અઢાર	३८ अडतीस	=	આડત્રીસ
१९ उन्नीस	=	ઓગણીસ	३९ उन्तालीस	=	ઓગણચાલીસ
२० बीस	=	વીસ	४० चालीस	=	ચાલીસ
२१ इक्कीस	=	એકવીસ	४१ इकतालीस	=	એકતાલીસ
२२ बाईस	=	બાવીસ	४२ ब्यालीस	=	બેતાલીસ
२३ तेईस	=	તેવીસ	४३ तितालीस	=	તેતાલીસ
२४ चौबीस	=	ચોવીસ	४४ चवालीस	=	ચુંવાલીસ
२५ पच्चीस	=	પચ્ચીસ	४५ पैंतालीस	=	પિસ્તાલીસ
२६ छब्बीस	=	છવ્વીસ	४६ छियालीस	=	છેતાલીસ
२७ सत्ताईस	=	સત્તાવીસ	४७ सैंतालीस	=	સુડતાલીસ
२८ अट्ठाईस	=	અઠ્ઠાવીસ	४८ अडतालीस	=	ઉડતાલીસ
२९ उन्तीस	=	ઓગણત્રીસ	४९ उनचास	=	ઓગણપચાસ
३० तीस	=	ત્રીસ	५० पचास	=	પચાસ

* जुओ पाठ आठमो, હસે तेम અગ્યારે, બારે, અગ્યારમો, બારમો, वगेरे, तेमज ग्यारहो बारहो तेरहो वगेरे, तेमज ग्यारहवाँ बारहवाँ वगेरे

पाठ २५

करके = करी, करीने –०, कर = ई, इने.

खा	=	खाईने	खाकर	=	खाई
पी कर	=	पीने	पीकर	=	पी
सो करके	=	ऊंघीने	सोकर	=	ऊं[illegible]
उठ करके	=	ऊठीनी	उठकर	=	ऊठी
आ करके	=	आवीने	आकर	=	आवी

जेमके —

१—मै खा आता हूं = हुं खाई आवु छु

२—तू उठकर भागता हे = तु ऊठीने न्हासे छे

३—वह काम करके‡ जाता है = त काम करीने जाय छे (वगेरे)

ने के लिये, ने को, ने, = वा, वाने, साऊ, वाने माटे

गाने के लिये	=	गावाने	देखने को	=	जोवा साऊ
पहिनने को	=	पेहेरवाने	टहलने को	=	करवाने
खोलने	=	ऊघाडवाने	ढूंढने को	=	गोधवाने माटे
चूसने को	=	चूसवाने	•ाजने को	=	अ[illegible]वाळीना

जेमके —

१—मै कपडा लाने को जाता हू = हु कापड लाववाने माटे जाऊ छु

२—मैं कपडा लाने जाता हू = हु कापड लाववा जाऊ छु

३—तू खेलने केलिये जाता है = तू रमवाने (साऊ) जाय छे

– शून्यनो अर्थ मूळ धातुनुं अर्ध रूप, खा, पी, दे मार वगेरे

‡ मात्र 'कर' धातुनी ज साथे घणु करीने 'के' आवे छे ते आ दाखलाओ उपरथी समजाई आवसे बीजा धातु साथे तो केवळ 'कर' ज आवे छे.

स्वाध्याय १.

१:—नीचेना वाक्योने हिंदी भाषामां लखो-

૧ તે આજે શુ લાવીને કોના માટે ત્યા ગયા ?
૨ મે તેની પાસેથી અહીં આવીને શુ લીધુ હતુ ?
૩ તે છોકરીઓ ખાવા આ તરફ કેમ આવી હતી ?
૪ તે જઈને તેના સારૂ શું કર્યું છે ?
૫ અમે બધા જમીને મળવાને માટે આવીશુ
૬ હું કાલે દોડીને કહેવા સારૂ આવ્યો હતો
૭ પણ તુ રમવાને કેમ આવ્યા ન હતો ?
૮ તમે ઘેર મને મળવા સારૂ ક્યારે આવશો ?
૯ હા, અમે વ્હેલા ઉઠીને ન્હાવા માટે ગઈ હતી
૧૦ આજે પેલા છોકરા ફરવા માટે આવ્યા હતા
૧૧ ન્હાની વાછરડી ઘાસ ખાઈને સહુ ન્હતી હતી
૧૨ ગાય પાણી પીને ફરી આવી હતી
૧૩ કાલે ત્હારા ઘેર છોકરીઓ કેમ આવી હતી ?
૧૪ હુ જાણુતો હતો, પણ પછી ભુલી ગયો
૧૫ રામચંદ્ર લખવાને અહીં આવ્યો છે
૧૬ અમે પણ ભણવા સારૂ આવ્યા છીએ
૧૭ તમે શુ કહી ગયા તે હુ સમજ્યા નહિ
૧૮ શુ ફરીથી કહેશો ? હા હું કહેવાને આવ્યો છુ
૧૯ તેઓ વાડીમા ફૂલ સૂંઘી ગયા હતા ?
૨૦ તે મારીને ન્હાસી ગયો. હુ પકડતો હતો

१:—नीचेना अंकोने हिंदी भाषामां-अक्षर-लखो-

૨૨, ૧૧, ૩૯, ૪૨, ૪૮, ૬, ૨, ૮૪, ૨૧, ૨૯, ૪૯,
૪૫, ૩૧, ૧૨, ૧૭, ૧૮, ૧૯, ૧૦, ૫, ૪૭, ૧૩,

पाठ २६

एक			अनेक		
१ कैसा	=	કેવો, કેવુ	कैसे	=	કેવા, કેવા
कैसी	=	કેવી	कैसी	=	કેવી કેવા
२ अच्छा	=	સારો સારૂ	अच्छे	=	સારા, સારા
अच्छी	-	સારી	अच्छी	=	સારી, સારા
३ बुरा	=	નઠારો નઠારૂ	बुरे	=	નઠારા, નઠારા
बुरी	=	નઠારી	बुरी	=	નઠારી, નઠારા

विधान

गुजराती प्रमाणे सारो, सारी, सारु, एम हिंदीमा त्रण जातना शब्दो नथी होता, फकत बेज जातना—'अच्छा' 'अच्छी'—होय छे ते खास ध्यानमा राखवु ‡ एवीज रीते—

ऐसा	=	એવો, વુ	तुझसा	=	ત્હારા જેવો, વુ
ऐसे	=	એવા, વા	तुझसे	=	ત્હારા જેવા, વા
वैसा	=	તેવા, વુ	उनसा	=	તેમના જેવા, વુ
वैसे	=	તેવા, વા	उनसे	=	તેમના જેવા, વા
तैसा	=	તેવો, વુ	किनसा	=	કોના જેવો વુ
जैसा	=	જેવા, વુ	मुझसी	=	મ્હારા જેવી

वगेरेमा समजी लेवानुं छे

‡ गुजरातीमा–पुल्लिंगमा केवो, केवा नपुसक लिंगमा केवु, केवा अने स्त्री लिंगमा केवी थाय छे गुजरातीना घणा खरा नपुसक लिंगना शब्दोनो समावेश हिंदीना पुल्लिंगमा थई जाय छे

पाठ २७

इतना =	આટલો, લું	उतना =	તેટલો, લું
इतने =	આટલા, લા	उतने =	તેટલા, લા
कितना =	કેટલો, લું	जितना =	જેટલો, લું
कितने =	કેટલા, લા	जितने =	જેટલા, લા
इतनी =	આટલી, લા	उतनी =	તેટલી, લા
कितनी =	કેટલી, લા	जितनी =	જેટલી લા

दुगुना =	બમણો, ણું	अब तक =	હજી (અત્યાર) સુધી
तिगुना =	ત્રમણો, ણું,	कब तक =	ક્યાં (ક્યાર) સુધી
चौगुना =	ચારગણો, ણું	जब तक =	જ્યાં (જ્યાર) સુધી
पँचगुना =	પાંચગણો, ણું	तब तक =	ત્યાં (ત્યાર) સુધી
छगुना =	છગણો ણું	बारबार –	વારંવાર વખતો વખત
सातगुना –	સાતગણો ણું	खुद =	પોતે, જાત
अठगुना =	આઠગણો ણું	अक्सर =	ઘણું કરી
नौगुना =	નવગણો, ણું	बहुधा	
दसगुना =	દસગણો ણું	परसों =	પરમ દિવસ
दुगुनी =	બમણી	तरसों =	આગલા દિવસ
कल =	કાલે, (આવતી, ગઈ)	तड़के =	ફજર
सबेरे =	સવારે	साझ =	સાંઝે
मानी, यानी =	એટલે	निदान / आखिर =	મતલબકે
परस्पर =	પરસ્પર		
आपस	"	सचमुच =	ખરેખર

झटपट	= ઝપાટાબંધ, ઉતાવળા	बीचाबीच	= વચ્ચોવચ
पास	= નજીક	बीच	= વચ્ચે
दूर	= દૂર	आगे	= આગળ
जरूर	= જરૂરથી	पीछे	= પાછળ
जरूरत	= જરૂર	नीचे	= નીચે
पार	= પાર	ऊपर	= ઉપર
चाहिये	= જોઈએ	अंदर	= અંદર
सब जगह	= બધે	बाहर	= બહાર
मानो	= જાણે	तले	= તળે
शीघ्र	= જલદી	बदले	= બદલામાં
ज्यों	= જેમ	बायाँ	= ડાબો
यों	= એમ	दाहिना	= જમણો
		त्यों	= તેમ

पाठ २८

ना, नी, ने, वाला, ली, ले, = વાનો, નુ, ના, ની, નાર, વાળો.

करना है	= કરવાનો કરવાનુ છે	जानेवाली है	= જનાર છે
रखने हैं	= મકવાના છે	आनेवाला है	= આવવા વાળો છે.
देनी है	= આપવાની છે	आनेवाले हैं	= આવનાર છે

---

* जुओ पाठ २६ मां 'विधान' तथा नीचेनी टिप्पणी

विधान

केटलाक प्रसगे—'तुझें करने का है' मुझे खाने का है, उन्हें जानेका है, एवी रीते बोले छे ते ठीक नथी, पण 'तुझे करना है' 'मुझे खाना है' 'उन्हें जाना है' 'मुझे लेनी है' 'तुझे खानी है' एवी रीते बोलवुं जोइए ए सिवाय —

मेरे को, तेरे को, तुम्हारे को, हमारे को वगेरे

जे बोलवामा आवे छे ते पण ठीक नथी ते जग्याए 'मुझे तुझे, तुम्हें, हमें, इसे, उसे इन्हें, उन्हें वगेरे बोलवु जोइए जेमके —

केटलाक अशुद्ध वाक्यो

१ रामचन्द्र ! तेरे को क्या चाहिये ?
२ मेरे को तो आम चाहिये.
३ और तुम्हारे को कहाँ जाने का है ?
४ हमारे को तो बहुत काम करने का है.

उपला शुद्ध वाक्यो

१ रामचन्द्र ! तुझे (तुझको) क्या चाहिये ?
२ मुझे (मुझ को) तो आम चाहिये
३ और तुम्हें (तुम को) कहाँ जाना है ?
४ हमें (हम को) तो बहुत काम करना है

पाठ २९

पुरुष—स्त्री

१ मैं जाऊ = हु जाउ	२ हम जावें = अमे जइअें
३ तू जा,(जावे)= तु जा,(जाय)	४ तुम जाओ = तमे जाओ.
५ वह जावे = ते जाय	६ वे(वह) जावें = तेओ जाय

१ मैं देखू = हु जोउ	२ हम देखें = अमे जोइअे
३ तू देख(देखे)= तु जो (जुवे)	४ तुम देखो = तमे जुओ.
५ वह देखे = ते जुअे	६ वे देखें = तेओ जुअे.

पुरुष

१ मै जाता = हु जात, जते	२ हम जाते = अमे जात, जते
२ तू जाता = तु जात ,,	४ तुम जाते = तमे जात, ,,
५ वह जाता = ते जात ,,	६ वे(वह)जाते= तेओ जात, ,,

स्त्री

मैं जाती =	हम जातीं =
तू जाती =	तुम जातीं =
वह जाती =	वे जातीं =
} ગુજરાતી અર્થ પુરુષ પ્રમાણે	} ગુજરાતી અર્થ પુરુષ પ્રમાણે



स्वाध्याय १०

१:—नीचेना हिंदी वाक्योने गुजराती भाषामां लखो

१ मैं आज खेलने को गया होता तो कैसा अच्छा होता
२. तुझे खेलना होता तो तू जरूर जाता
३. उन्हें ऐसा करना होता तो वे भी जाते
४. इन लडकियों§ को खाना होता तो हमारे घर आतीं.
५ हा, ये गई होती तो तू भी जरूर आया होता, और वे भी आते
६ तुम कहो तो मैं भी जाऊ और वे लडकिया भी जावे
७ नहीं, पहले तुम सब जाओ, हम फिर आयेंगे
८ वह देखो कौन आता है, वह भी जावे तो अच्छा
९ भाई ! तू कुछ लिख पढ, नहीं तो पछतायेगा
१० तुझे जो चाहिये, मुझे कह, वह मैं सब चीजें दूगा
११ हमें कुछ न चाहिये, तुम गये होते, तो हम खुश होते
१२ तुम्हें जो करना है, देना है वह कहो न ! कहते क्यों नहीं ?
१३ मुझे खाना खाना है, कहो तो खाऊ पिऊ ?
१४ तुम्हें अपनी क़लम देनी हो तो दो, नहीं तो मत दो
१५ जितनी कलम चाहिये उतनी ले लो, बल्कि, दुगुनी ले लो

---

§ अहीं गुजरातीनी माफक मूळ रूप न रहेतां आगळ प्रत्यय आववाथी दीर्घ 'ई' ने बदले ह्रस्व 'इ' थई जाय छे, जुओ पाठ १४ मो, नारियां, नारियोंने' वगेरे

२:—नीचेना गुजराती वाक्योने हिंदी भाषामां लखो.

૧ તમે કાલે અહી હોત તો કેવુ સારૂ થાત

૨ જો તમારે કરવાનુજ હોત તો તમે કેમ ન કરત

૩ જેટલુ જોઇએ, તેટલુ મ્હારી પાસેથી લઇ લે, ત્યા ન જા

૪ તેમને લાવવાનુ હોત તો તો તેઓ કેમ ન લાવત

૫ તમે બધા ગયા હોત તો તે પણ આવત, હવે તમે જલદી જાઓ

૬ તુ પણ જા, અમે પછીથી ત્યા આવીશુ ત્હારા માટે ફળો લાવીશુ

૭ જુઓ આ એક ન્હાની બિલાડી ઉદરને પકડે છે કેવી દોડે છે

૮ તે કેવો રડતો રડતો આવે છે મે કહ્યુ હતુ કે તુ હવે જા

૯ તમારે આજે ક્યા જવાનુ છે ને ક્યા રમવાનુ છે તે કહો!

૧૦ હા, હુ કહીશ કે તમે બધા બહુ નઠારા એટલે ખરાબ છોકરા છો.

૧૧ તુ જો ન આવ્યો હોત તો હુ કહેત કે તુ પણ ત્યાથી ચાલ્યો જા

૧૨ છોકરીઓ! તમે ભણવા માટે ક્યારે આવશો, તે કહો

૧૩ અમારે એક કલમ, એક ખડીઓ ને એક ચોપડી જોઇએ

૧૪ તે છોકરાઓ આજે શાળામા ન ગઇ હોત તો ગુરુજી શુ કહેત?

૧૫ મ્હારે અહીં રહેવુ છે અને કેટલાક કામ કરવાના છે

૧૬ તમે કહો તો હુ જાઉ કેમકે આજે ઘેર કોઇ નથી

૧૭ કાલે રામચંદ્રને ત્યા જવાનુ છે કોઇ તેડવા પણ આવશે

૧ મ્હારે ત્યાથી એક ચોપડી લાવવાની છે તે ભણવા માટે માગી છે.



स्वाध्याय ११

*गाँव की बिल्लियाँ बहुधा कस्बों तथा शहरोंकी बिल्लियों से अधिक डरावनी होती हैं, वे केवल मूसों (चूहों) के लिये ही भयानक नहीं होतीं, बल्कि चिड़ियों, खरहों तथा गिलहरियों के लिये भी उसी प्रकार भयानक होती हैं जो लोग गाँवों में रहते हैं उन्होने अक्सर देखा होगा कि गाँवो की बिल्लियाँ छोटे कुत्तों को तो कुछ गिनती ही नहीं मामूली कुत्ते तो उनके सामने दुम दबा कर भाग जाते हैं

एक दिन एक बड़ी मोटी ताज़ी बिल्ली बेल के पेड पर चढ गई और ऊपर से एक गिलहरी पकड लाई गिलहरी की गरदन से खून निकल रहा था, लेकिन उसमें थोडी जान बाकी थी बिल्ली उसे जमीन पर रख कर उस से थोडी दूर पर बैठ गई, और उसी ओर बराबर ताकने लगी. वह बार बार अपनी पूँछ को इधर उधर जमीन पर पटकती थी और जब वह अधमरी गिलहरी उठने की कोशिश करती उसी समय उस पर पंजा रख देती थी जिस समय वह बिल्ली अपने भोजन का प्रबध कर रही थी सुरेशजी वहा जा पहुंचे, सुरेश की उम्र इस समय तीन वर्ष की थी गिलहरी के देखते ही सुरेश की इच्छा उसे उठा लेने की हुई यह बिना सोचे ही–कि बिल्ली कहीं मुझपर आक्रमण न करे वे आगे बढने लगे, उनको आगे बढ़ते देख कर बिल्लीने [illegible]

* स्वाध्याय ११ थी मांडीने ते अत सुधीना गद्य पद्यने भाषांतर कर्या पहेलां एकथी वधु वखत स्पष्ट वांचवानु राखवु शाळामां तो वांचतां म्होडेज तरजुमा करवो

गुर्राना शुरू किया परन्तु सुरेश ने निर्भय हो कर गिलहरी को उठा लिया ज्यों ही वे उसे उठा कर चलने लगे त्यों ही बिल्लीने बड़ी भयंकरता से उन पर हमला किया उसे आता देखकर और उसके पंजों की चोट के डर से वे भाग न गये. बल्कि उन्होंने उस बिल्ली का मुकाबला लातों तथा मुक्कों से किया लगभग आध-घंटे तक उनका युद्ध होता रहा, अंत में एक आदमी वहाँ आ निकला उसने उन को खून से भरा हुआ देखकर उठा लिया और बिल्ली को भगा दिया सुरेश के घाव एक महीने में अच्छे हुए.

गाँव=ગામડું	मोटी ताज़ी=જાડી લટ્ટ	आक्रमण=હુમલો
डरावनी=બીહામણી	मक्खन=ડોક	लगभग=આસરે
मूसों के लिये=ઉંદરો માટે	जान=જીવ	आ निकला=આવી પ-હોચ્યો
खरहा=સસલુ	कोशिश=કોશેશ	
उसी प्रकार=તેજ રીતે	सुरेश=એક વીર બાલકનુ નામ	घाव=ઘા
दुम=પુછડી		गुर्राना=ઘૂરકવુ

એક દિવસે બપોરે[1] હું નદીને કિનારે લીલા[2] ઘાસ ઉપર બેઠો હતો, તે સમયે મે એક ગાયને પોતાના[3] વાછરડા સાથે ચરતી જોઈ જ્યાર તે વાછરડુ ચરતું ચરતુ[4] પોતાની માથી જરા વેગળે જતુ અથવા ઘાસની મસ્તી[5] કરતુ કુદતુ દૂર જતુ તે વખતે તેની માતા અધીર થઈ જતી અને અતિશય પ્રેમ વડે[6] પોતાના બાળક સ્હામુ જોતી, તેમજ મમતા ભરેલા અવાજવડે વાછરડાને બોલાવતી હતી

१=दुपहर, २=हरे, ३=अपने, ४=चरता चरता, ५=खेल, शरारत, ६=द्वारा, से

स्वाध्याय १२

जब सुरेश ११ ही वर्षके थे, उनको अकेले कलकत्ते से नाथपुर की यात्रा करनी पडी। इनकी शैतानियाँ अभी कुछ भी कम न हुई थीं। ये कभी घर पर न रहते, सदैव इधर उधर खेला कूदा और उत्पात मचाया करते थे। जब वे नाथपुर जा रहे थे, उन्हे मार्गमें एक बडा भारी आमका वृक्ष मिला। उन्होंने उस पर एक घोंसला देखकर तुरन्त उसके लेनेके लिये चढना आरम्भ कर दिया। घोंसलेके पास पहुँचे ही थे कि पीछेसे किसी जानवरके फुसकारनेकी आवाज आई। उन्होंने पीछे फिर कर देखा। जो भयकर वस्तु उन्हें दीख पडी, उससे किसी बालकके तो क्या, बडे बडे आदमियोंतकके छक्के छूट जाते। उन्हें अपने नीचे एक बडा काला साप दीख पडा। पर वे इससे डरे नहीं।

क्रोधसे भरा हुआ सर्प उनकी राह पर ही था, इस लिये उनका नीचे उतरना लगभग असभव ही हो गया था। तुरत सर्पकी ओरसे मुँह फेर लिया और धीरे धीरे नीचे उतरनेका विचार किया, जिसमे वे उस सर्पसे दूर होकर उतर जावे। ऐसा करने पर भी उस सर्पसे बचना अत्यन्त कठिन था। और न वे, एक साथ डाल परसे उछल कर, उस खोखलेके ऊपरसे, जिसमें वह सर्प था, कूद ही सकते थे, क्योंकि ऐसा करना बहुत मुश्किल था। अब न तो वे नीचे ही उतर सकते थे, क्योंकि जितने नीचे वे उतरते उतने ही वे साँपके पास आते जाते थे, और न ऊपरकी शाखा पर जा सकते थे, क्योंकि वह बिल्कुल पतली थी। इन सब बातोंपर ध्यान करके सुरेशने अन्तमें जी-

बन-युद्धके हेतु नीचे उतरना ही आरम्भ कर दिया। साँप भी अपनी शिकारको पास आता देख फन उठाकर तैयार हो गया। थोड़ी देर रुककर उसने उनकी जघापर काटनेकी इच्छासे फन मारा। दैवयोगसे फन उनकी जाघमें न लगकर वृक्षकी शाखा पर पड़ा। वह साँप अपना फन वहाँसे उठानेवाला ही था कि वीर सुरेशका बायाँ हाथ ठीक उसके फन पर जा पड़ा। उन्होंने उसके सिरको खूब जोरसे मुट्ठीमे पकड़ लिया। प्राय बगाली बालक हरवक्त एक चाकू अपने पास रखते हैं। उन्होंने भी जेबमें एक चाकू रक्खा था। उन्होंने तुरन्त उसे दाहिने हाथसे निकाल लिया और दाँतसे खोलकर वे भुजामें लपटे हुए साँपको काटने लगे। चालीस पचास सेकण्डमें उन्होंने साँपका सिर काट कर जमीन पर फेंक दिया। ऐसी भयंकर घटनाके बाद फिर ऊपर चढ़नेकी हिम्मत शायद ही कोई बालक करता। परन्तु सुरेश ठीक घोंसले तक जा पहुँचे और चिड़ियोंके बच्चोंको निकाल लाये। उतरते समय उन्होंने उस खोखलेमेंसे उस साँपको भी निकाल कर नीचे फेंक दिया। साँपकी लम्बाई ६ फीट और पेटकी चौड़ाई ६ इंच थी उस साँपको और चिड़ियोंके बच्चोंको वे जयचिह्नके समान अपने पिताके पास ले गये। ऐसी घटनाओंसे उनके सब कुटुम्बियोंको प्रतीत हो गया था कि सुरेश अवश्य ही किसी न किसी दिन अपनी जान खोदेगा।

५

शैतानियाँ=મસ્તીઓ
सदव=હમેશ
उत्पात=તોફાન
घोसला=માળો
फुसकारना=ફુંફાડવુ
जवा }
जाँघ } =જાંઘ

छक्के छूटना=હદ ઉપરાંતની ગભરામણ
खोखला=બખોલ
पतली=પાતળી
रुककर=અટકીને
दैवयोग=સંજોગ

उठानेवाला ही था=તૈયારીમા હતો
लपटे हुए=વીંટાએલા
घटना=બનાવ
लम्बाई=લંબાણ
चौडाई=પહોળાણ
इंच=તસુ
प्रतीत=ખાત્રી, માલુમ
खो देगा=ગુમાવશે

पाठ ३०

पुरुष

मै गया होऊगा = હું ગયો હઈશ   हम गये होयेंगे = અમે ગયા હઈશુ
तू गया हो(ये)गा = તુ ગયો હશે   तुम गये होओगे = તમે ગયા હશો
वह गया हो(ये)गा = તે ગયો હશે   व गये होयेंगे = તેઓ ગયા હશે

स्त्री

मैं गई होउगी = હું ગઈ હઈશ   हम गई होयेंगी = અમે ગયા(ઈ)હઈશુ
तू गई होयेगी = તુ ગઈ હશે   तुम गई होओगी = તમે ગયા(ઈ)હશો
वह गई होयेगी = તે ગઈ હશે   वे गई होयेंगी = તેઓ ગયા(ઈ)હશે

मैं गया हू	हम गये हैं	मैं गई हू	हम गई है
तू गया है.	तुम गये हो	तू गई है	तुम गई हो
वह गया है	वे गये हैं	वह गई है	वे गई हैं *

* आ पाठना वाक्योओना भाषांतर माटे स्वाध्याय ९ नी माफक शिक्षकोए थोडाक गुजराती वाक्यो घडी काढी विद्यार्थीओने आपवा

पाठ ३१

करता रहना	करने लगना
करता रहता है = કરતો રહે છે	करने लगता है = કરવા લાગે છે
,, = કર્યા કરે છે	खाने लगती है = ખાવા માંડે છે
आते रहते हैं = આવ્યા કરે છે	देखने लगती हो = જોવા લાગો છો
सोती रहती हैं = ઉંઘ્યા કરે છે	पढ़ने लगते हैं = વાંચવા માંડે છે

मै कर रहा था
त कर रह था
वह कर रहा था } = [illegible]

हम कर रहे थे
तुम कर रहे थे
वे कर रहे थे } = [illegible]

किया गया है = કરવામાં આવ્યુ છે

*पकड़ा गया है = પકડવામા આવ્યો છે

निकाल दी गई है = કાઢી મૂકવામા આવી છે

रख दिये गये है = મુકવામા આવ્યા છે

‡क्या करना चाहते हो? = શુ કરવા માગો (ચાહો) છો?

कहां जाना चाहती है? = ક્યાં જવા માગે (ચાહે) છે?

अशुद्ध	शुद्ध
१. मैंने जाना– है	१ मुझे जाना है = મ્હારે જવું છે
२ हमने खाना है . .	२ हमे खाना है = અમારે ખાવુ છે
३ उन्होंने करना है	३. उन्हें करना है = તેમને કરવાનુ છે

---

* 'पकड़ने मे आया है' एम बोलवानी पद्धति विशेष नथी.

‡ क्या करनेको मांगते है 'क्या करना मांगते हो' एवा अशुद्ध प्रयोग करवा नहीं तेमज तुम' नी जग्याए 'आप' प्रयोग थतां 'आप करते हो' एम न बोलतां 'आप करते हैं' आप जायेंगे' वगेरे बोलवुं — एमज तुझे, तुम्हें उसे, किसे, वगेरे, जुओ पृष्ठ ५८.

ए = લો, લુ, લી, લા, લાં.

‡गया हुआ	=	ગયેલો	किया हुआ	=	કરેલુ
आये हुए	=	આવેલા	गई हुई	=	ગયેલી
खाई हुई	=	ખાધેલી	किये हुए	=	કરેલા

पाठ ३२

५१ इक्कावन	=	એકાવન	७६ छहत्तर	=	છોતેર
५२ बावन	=	બાવન	७७ सतहत्तर	=	સીતોતેર
५३ त्रेपन	=	ત્રેપન	७८ अठहत्तर	=	ઈઠોતેર
५४ चौअन	=	ચોપન	७९ उनासी	=	ઓગનાએંસી
५५ पचपन	=	પંચાવન	८० अस्सी	=	એંસી
५६ छप्पन	=	છપ્પન	८१ इक्यासी	=	એક્યાસી
५७ सत्तावन	=	સત્તાવન	८२ ब्यासी	=	બ્યાસી
५८ अट्ठावन	=	અઠ્ઠાવન	८३ त्यासी	=	ત્યાસી
५९ उनसठ	=	ઓગણસાઠ	८४ चौरासी	=	ચોર્યાસી
६० साठ	=	સાઠ	८५ पचासी	=	પંચાસી
६१ इकसठ	=	એકસઠ	८६ छियासी	=	છાસી
६२ बासठ	=	બાસઠ	८७ सतासी	=	સિત્તાસી
६३ त्रेसठ	=	ત્રેસઠ	८८ अठासी	=	ઈઠ્યાસી
६४ चौंसठ	=	ચોસઠ	८९ नवासी	=	નેવ્યાસી
६५ पैंसठ	=	પાંસઠ	९० नब्बे	=	નેવું
६६ छियासठ	=	છાસઠ	९१ इक्यानवे	=	એકાણું

‡ केटलाक लोको अजाण्यामां 'गयेली' 'गयेला' 'आयेले' वगेरे अशुद्ध प्रयोग करे छे

६७ सड़सठ	=	સડસટ	९२ बानवे	=	બાણુ
६८ अड़सठ	=	અડસટ	९३ त्र्यानवे	=	ત્રાણુ
६९ उनहत्तर	=	અગનોમીતેર	९४ चौरानवे	=	ચોરાણુ
७० सत्तर	=	સીતેર	९५ पचानवे	=	પંચાણુ
७१ इकहत्तर	=	એકોતેર	९६ छ्यानवे	=	છન્નુ
७२ बहत्तर	=	બોતેર	९७ सतानवे	=	સત્તાણુ
७३ तिहत्तर	=	તોતેર	९८ अठानवे	=	અઠ્ઠાણુ
७४ चौहत्तर	=	ચુમોતેર	९९ निन्नयानवे	=	નવ્વાણુ
७५ पचहत्तर	=	પંચોતેર	१०० सौ	=	સો

पाठ ३३

करती करती = કરતી કરતી
करती हुई (हुई) = ,,
करता करता = કરતો કરતો
करता हुआ = ,,
करते हुए = કરતા કરતા

} = કરતા કરતાં* = **करते करते**

मैं अपना § = હું મારૂ,× **हम अपना** = અમે અમારૂ—આપણે આપણુ
तू अपना = તું તારૂ, **तुम अपना** = તમે તમારૂ = **आप अपना** = [આપ આપનુ
वह अपना = તે તેનુ **वे अपना** = તેઓ તેમનુ
तथापि, तोभी, = તથાપિ છતા છતાંપણ **तेपर भी** = છતા

उदाहरण-

(करते करते) करती करती थक गई = (કરતા કરતા) કરતી કરતી થાકી ગઇ

---

* एवज, ખાતા, પીતા, જતા, = खाते, पीते, जाते, वगेरे
§ पुंलिंग सब को वस्तु अनेक होय तो 'अपने'
× 'पोतानु' 'पोतानां' पण थाय, पण विशेष प्रचार नथी.

(चढ़ते चढ़ते) चढती हुई गिर पडी = (ચઢતા ચઢતા) ચઢતી પડી ગઈ.
(खाते खाते) खाता खाता सो गया = (ખાતા ખાતા) ખાતો ખાતો ઉંઘી ગયો
(चलते चलते) चलता हुआ बैठ गया = (ચાલતા ચાલતા) ચાલતો બેસી ગયો
(,, ,,) चलते हुए बैठ गये = (,,) ચાલતા બેસી ગયા
आज तो मैं अपना ही काम करूंगा = આજે તો હું મ્હારૂંજ કામ કરીશ.
हम अपनी ही सुनाते थे = અમે અમારી (પોતાની)જ સંભળાવતા હતા
तू अपना ही काम करता रहता है = તું ત્હારૂં જ કામ કર્યા કરે છે
तुम अपने घर क्यों नही जाते ? = તમે તમારા ઘેર કેમ નથી જતા ?
वह अपनी ही बडाई मारता रहता है = તે તેનાજ વખાણ કર્યા કરે છે
वे अपनी तारीफ नहीं करते = તેઓ તેમના (પોતાના) વખાણ કરતા નથી.
तो भी वह नाराज़ रहता है = છતાં પણ તે નારાજ રહે છે
कहने पर भी नहीं सुनता = કહ્યા છતાં સાંભળતો નથી

स्वाध्याय १२

વિષ્ણુ પોતાની માને કહેવા લાગ્યો, [1]મા ! બાપા કમળા અને ચંદ્ર-ભાનુને લઈને ગયા છે તે ક્યાં હશે ? શું કરતા હશે ! કમળા શું ખાતી હશે ? ક્યાં સુતી હશે ? ત્યાં ખાટલો હશે ? અને ત્યાં રમતા હશે ખરા ? બા ! ચંદ્ર તો રડ્યા કરતો હશે તે શા માટે ગયેલો છે કમળા પણ [2]અમથીજ ગયેલી છે મને મોકલ્યો હોત તો બહુ મજા પડત માએ કહ્યું ભાઈ તેં તો તે વખતે કહ્યું જ નહિ કે હું જનાર છું કમળાએ તો 'મ્હારે જવાનું છે' એમ ચોખ્ખું કહેલું ચંદ્રે પણ કહ્યું કે 'મ્હારે પણ જવું છે'. ત્હારા બાપાએ મુંબઈથી કાગળમાં લખ્યું છે કે 'વિષ્ણુ શું કર્યા કરે છે, [3]આખો

---

1 माता माटे संबोधन, २ व्यर्थ, ३ दिनभर, ४ ऊधम, ५ ऐ=सी

દિવસ રમ્યા જ કરતો હશે,' ભાઈ! પેલા છોકરા કેમ આવ્યા કરે છે? કાલે તમે બધા મેડે શું કરી રહ્યા હતા? હવે તેઓ આવે તો કહેજે કે 'તમે તમારા ઘેર જાઓ અહીં કામ કરવાનું છે હા' બોલ હું તારા બાપાને શું લખી દઉં? હું કાલે વાંચ્યા કરતી હતી ત્યારે તું કેટલી ધમસ્તી કરી રહ્યો હતો? આજે તને પકડવામાં આવ્યો છે એમ ને લખ, ચંદ્ર કેવો સવારમાંજ ભણવા લાગે છે કમળા તો ત્યાંએ ભણતી હશે તને એથીજ મોકલવામાં આવ્યો નહિ ને હું તને ફરી પણ કેમ મોકલવાની? કમળા અહીં પણ મ્હારી જોડે કામ કરવા મંડતી હતી, જાણે છે ને? તારા બાપાને દરરોજ પૂછતી કે બાપા આજે આપ મને શું લખવા માફ કરો છો? આપ મને જોડે નઈ જશો તો હું ત્યાં પણ બહુ રમનાર નથી' જો તું થોડી વાર પણ બેસીને ભણે તો તને પેંડા આપવાની છું નહિ તો તને ઘેરથીએ કાઢી મુકવામાં આવશે તારા બાપા બહુ ચીજો લાવવાના છે મ્હારે પરમ દિવસે પુરીઓ કરવી છે એ બધું તને ભણે તો જ મળે ને! એ સાંભળી વિષ્ણુ જરા ખુશ થઈને વાંચવા બેસી ગયો

स्वाध्याय १४

उन्हे नावमें चढकर इधर उधर घूमने का शौक बहुत था. एक दिन वे दोपहर के समय नाव पर चढकर इरावती नदी के किनारे किनारे अपनी नाव खेने लगे. ज्योंही सध्या होने लगी त्योंही उन्होंने नाव को किनारे पर बाँध कर घर तक टहलते हुए जाने का निश्चय किया, वे निडर हो कर धीमे धीमे चलने लगे, उनके पास उस समय कोई भी हथियार न था। यहाँ तक कि एक रूलरके अतिरिक्त हाथमें एक छोटीसी छडी भी न थी। सुरेश अपनी बर्तमान दशा पर बिचार करते हुए घरको आ रहे थे। राहमें उनको दो किसानोंके अतिरिक्त और कोई न मिला। जब सुरेश एक अँधेरी गलीसे जा रहे थे, उनको एक ऐसा शब्द

सुनाई पड़ा कि जैसे किसीने उनकी ओर पत्थर फेंका हो। परन्तु वृक्षमें लगनेसे उन्हें मालूम हो गया कि वह पत्थर नहीं वरन् किसी डाकूकी फेंकी हुई एक प्रकारको छोटी बर्छी थी। वे थोडी दूर ही आगे बढे होंगे कि किसीने फिर वही हथियार फेंक कर मारा, परन्तु ईश्वरकी कृपासे दोनों चोटें निष्फल हो हुई। शीघ्र ही सुरेशका दो मनुष्य अपने पर आक्रमण करते हुए दिखाई पडे। सुरेशको अब अपने मित्रकी चेतावनीकी याद पूरी तरहसे आगई। अब उन्हे अपनी रक्षाकी कोई आशा न थी। अन्तमें यह विचार करके कि अगर मरना है तो वीरता के साथ ही क्यों न मरे, वे दो तीन कदम पीछे हटकर और फुटरूलर अच्छी तरह हाथमें पकडकर, खडे हो गये, और दांत पीस पीस कर अपने शत्रुओंकी प्रतीक्षा करने लगे। इनको बहुत छोटा समझकर उनमेंसे एकहीने पहले आक्रमण किया। सुरेश उनकी मरम्मत करनेके लिये तय्यार थे। वह डाकू पास आया ही था कि सुरेशने तान कर खोपडेमें रूलर जमा ही दिया। उसके लगते ही वह पृथ्वी पर गिर पडा। अपने साथीकी यह दशा देखकर दूसरे डाकूसे न रहा गया। उसने फुर्तीसे आक्रमण कर सुरेशके हाथसे रूलर गिरा दिया। अब क्या था, दोनों निहत्थे थे दोनोंमें कुश्ती होने लगी। थोडी देरमें ही सुरेशको पता लग गया कि इस डाकूसे मल्लयुद्धमे जीतना सर्वथा असम्भव है। सुरेश पृथ्वी पर गिरनेवाले थे कि उधरसे एक बारात आ निकली। यह अच्छा मौका पाकर सुरेशने सहायताके लिये जोरसे चिल्लाना शुरू किया। डाकू यह सोचकर कि शायद बचनेका मौका न मिले सुरेशको छोडकर भाग गया। इसी समय वहा कुछ लोग पहुँच गये और उन्होंने सुरेशको बचा लिया।

कदम=ડગલા	**मौका**=તક	**किसान**=ખેડુત
नाव=હોડી	**अतिरिक्त**=સિવાય	**मरम्मत**=સુધારો,,ઠીક કરવુ
दोपहर=બપોર	**वरन**=પણ, કિંતુ	**फुर्ती**=ઝડપ
किनारे किनारे=કાંઠે કાંઠે	**डॉकू**=લૂંટારૂ	**निहत्थे**=શસ્ત્ર વગરના
खेना=હંકારવુ	**बर्छी**=ભાલા જેવો શસ્ત્ર	**बारात**=જાન
चेतावनी=ચેતવણી	**प्रतीक्षा**=રાહ જોવી	**चिल्लाना**=બૂમ, ચીસ પાડવી

स्वाध्याय १५

જાઓ તહમારા રાજ્યમા પાછા ચાલ્યા જાઓ અને વધુમા કહુ છુ તે સાભળો—કદિ પણ દુર્બલના ઉપર અત્યાચાર કર્યા કરતા નહી કરતા નહી ક્દાચ મ્હોટા તમે કેમ ન હો પણ એટલુ યાદ રાખજો કે તહમારાથી મ્હોટા પણ આ સંસારમા છે કદચ ન પણ હોય તોય પ્રકૃતિ તો તહમારા કરેલા સ્વેચ્છાચારી અત્યાચારને કદી સહેશે નહિ તમે પણ દુનિયાના આ નિયમના દાસ છો

ના તુ ક્ષત્રિય બાલક છે તહને આજ છાજે છે—દેશને માટે જીવન અને દેશહિત કાજે મૃત્યુ—એ તો ક્ષત્રિયનુ, વીરનુ કર્તવ્ય છે—ધર્મ છે તહને તો આજ ગોમે છે હુ પણ અન્તકાલે આવી ગયા પ્રાણ ફરી આમ ચુઇ ગયો હોઉ એ ઇચ્છા ખુલ્લા નીલ આકાશની નીચે સમર ક્ષેત્રમા આવી—અન્તિમ શય્યા બીછી હોય, સ્હામે મૃત્યુનો રક્તસાગર ઉછળતો હોય, એના શબ્દ સભળાતા હોય અને ચારે દિશામા સમર કોલાહલ મચી રહ્યો હોય

આ તો તહમને છાજે એવુ બોલ્યા સાભળો, હુ કોઇને પણ એની ઇચ્છા વિરૂદ્ધ નથી બોલાવતી જો કોઇને પણ પોતાની જન્મભૂમિનો કાંઇ ખ્યાલ હોય કોઇને પોતાના ધર્મ પર ભક્તિ હોઈ જે કોઈ સ્વાધીનતા માટે પ્રાણ આપવા તૈયાર હોય, તો તેજ ચાલ્યા આવે એવો એક પણ વીર સોની બરાબર છે કાચા દિલના, ભ્રમિત ચિત્તના, માણસો મ્હારે

જોઇતા નથી મ્હારે તો એકાગ્ર, દૃઢ પ્રતિજ્ઞાવાળા માણસો જોઇએ છે. એ માર્ગ છે, પસંદ કરી લો—એક તરફ વિલાસ, આમોદ, આરામ અને ભોગ છે, જ્યારે બીજી તરફ મહેનત, અનાહાર, દારિદ્રય અને દુઃખ છે આ તરફ સમાર, વગ્બાગ અને શાન્તિ છે, જ્યારે બીજી બાજુએ દેશ—પ્રતિનુ કર્ત્તવ્ય ખડું છે—પસન્દ કરી લો

મનુષ્યના પ્રારબ્ધ નિર્માણને માટે ભૂમિ એ સર્વોત્કૃષ્ટ શસ્ત્ર છે કારણ કે જન્મસ્થાન સાધારણ રીતે તે ભૂમિના કાર્ય સંસ્થાઓ, આદર્શ અને જીવન હેતુઓને સ્વભૂમિજનિત બંધુઓ સાથે સંગઠિત કરે છે

એ તો ભીમસ્વરે કેટલીય વાર કહેવામા આવ્યુ છે "માત્ર કાર્યમાજ ત્હારો અધિકાર છે" જે એક વ્યક્તિને માટે સત્ય છે તે સમસ્ત જાતિને માટે પણ પોતાની માતૃભૂમિના સમસ્ત કાર્ય દેશવાસીઓએ જાતેજ કરવા જોઇએ આ એમનો વંશપરંપરાનો વારસો છે આ દૃષ્ટિબિન્દુથી વિચાર કરતા પ્રત્યેક વ્યક્તિનુ અસ્તિત્વ નામ શેષ માત્ર, કે કોઇ કુટુમ્બના, એકાદ સંઘના, કોઇ એકાદ સંપ્રદાયના અંશ રૂપેજ નથી કિન્તુ બરાબર સમજવુ જોઇએ કે પ્રત્યેક વ્યક્તિ એક મહાજાતિનુ સદૈવ મુક્ત એવુ એક વિશિષ્ટ અંગ છે આથી કરીને પ્રત્યેકે મહાચિંતાશીલ અને કર્મી બનવાનુ છે

१, न करना ! २ न करना !

---*---

*स्वाध्याय १६

१-थोडाक वाक्यो लखी लाववा जेमां पाठ २२, २३, २९ प्रमाणेना बध दाखला आवी जाय, तेमा पाठ ६, १८, २०-२७ माथी पण मदद लीधेली होवी जोइए

*** स्वाध्याय ७मानी पद्धतिए पाठ २२, २३ मांथी अने स्वाध्याय ८मानी पद्धतिए पाठ २९-३० मांथी शिक्षकोए प्रश्नो गोठवी विद्यार्थीओने पूछवा स्वाध्याय माटे वखत जरूर प्रमाणे लगाडवो**

२–थोडाक एवा वाक्यो बनाववा जेमा पाठ २५, २८ प्रमाणेना द। खला आवी जाय, तेमा पाठ ७-९-११-१९-२१ माथी पण मदद लीधेली होवी जोइए

३–स्वाध्याय ११, १२ १३, १४ माथी पाठ २५, २८, ३० ३१, ३३ प्रमाणेना थोडाक दाखलावाक्यो लखी लाववा

४–पाठ २८ ना विधान प्रमाणे शुद्धाशुद्ध प्रयोगना नवा दाखला आपवा

५–पाठ ३१ प्रमाणेना बीजा अशुद्ध वाक्योना दाखला समजावी बताववा

६–पाठ ३३ ना आधारे उदाहरण दीठ त्रण त्रण नवा मोटा उदाहरण लखी लाववा

सरलपद्य

चूरन खाते यडिटर जात। जिनके पेट पचै नहिं बात॥
चूरन अमला वाले खावें। दूनी रिश्वत तुरत पचावें॥
चूरन पूलिस वाले खाते। सब कानून हजम कर जाते॥
चूरन सभी महाजन खाते। जिससे जमा हजम कर जाते॥

(श्री भारतेन्दु हरिश्चंद्र कृत प्रहसनसे)

नीरस वक्ता जी! सुनो, बैठ रहो १गहि मौन।
कनफोडा २घड़ियाल की, ठनक सहेगा कौन? ॥१॥

१गुण बिन पुजे न लोक में, ३बडकुलियों की ४पाँति,
कौन भजे वसुदेव को, वासुदेव की ५भाँति ? ॥२॥

'मै मै' 'तू तू' ने किया, आपस में मत भेद।
'हम' का सदा प्रयोग कर, कभी न उपजे खेद ॥३॥
(नारायणप्रसाद बेताब)

पराधीनता दुख महा, सुख जग में स्वाधीन।
सुखी रहत शुक बन विषैं, कनक-पीँजरे दीन ॥
(दृष्टांत तरंगिणी)

[1]दामिनि दमकि रही घन माही, खलकी प्रीति यथा [2]थिर नाहीं १
बूँद [3]अघात सहैं गिरि कैसे, खल के वचन सत सह जैसे २
(तुलसीदास)

क्षमा खड्ग लीन्हे रहे, खल को कहा बसाय।
[4]अगिन परो तृन रहित थल, [5]आपहिं ते [6]बुझ जाय ॥
(श्रीलाल)

सबहि भूमि गोपाल की जामें अटक कहा।
जाके मन में अटक है सोई अटक रहा ॥

लोक अनुग्रह सों नृपति, सदा समृद्ध लखाय।
रजधानी तहि भूप की, फूली फली [7]अघाय ॥
(फुटकर)

---

१ धारण करीने, २ घट, ३ मोटा कुलीन, ४ पंक्तमां, ५ पेठे
१ वीजळी, २ स्थिर, ३ प्रहार, ? नशनी वात, ४ अग्नि, ५ पोते, ६ होळवाई जाय, ७ धराय, [टाक जुदा छे
§ सों=से=थी जुना पद्यनी भाषाना प्रत्ययो वगेरेना नियमो थो-

भारत तनु

भारत तनु में हैं विविध प्रन्त निवासी अग।
पजाबी सिंधी सुजन महाराष्ट्र तैलग ॥
महाराष्ट्र तैलग वग देशीय बिहारी।
हिंदुस्तानी मध्य हिंद जन वृन्द बरारी ॥
गुजराती उत्कली आदि देशी सेवारत।
सभी लोग है अग बना है जिनसे भारत ॥

(देवीप्रसाद पूर्ण)

भारत लक्ष्मी

*अयि भुवन मनोमोहिनी !
अयि निर्मल-सूर्य-करोज्वल-धरणि !
जनक जननी जननि
नील सिंधु जल-धौ ण तल, अनिल विकम्पित श्याम
अबर चुंबि वल शुभ्र-तुषार किरीटि

प्रथम प्र गगने, प्रथम
प्रथम भवने

चिर कल-
जान्हवी-यमुना-

---

* कवीन्द्र रवीन्द्रनी
गुजराती साथे केटलीबधी
सहोदरता

भारत आरती

[१]

जय भारत, जय भारत
जय मम प्राण-पते
जय संसार-शिरोमणि,
करुणाऽऽगार-मते

[२]

जय जय तीस-कोटि-जन-
प्रतिपालन-कर्त्ता
अगनित कोटि चराऽचर-
भर्त्ता, दुख-ह

[३]

भाल-विशाल-चमत्कृत
सित हिम-गिरि राजै
परसत बाल [illegible]
नेम-प्रभा भ्राजै

[४]

ऋषि-मुनि-पुण्य-तपोनिधि
तेज-पुञ्ज-धारी
सब विधि अधम-अविद्या-
भव-भ्रम-तम-हारी

[illegible]]

[illegible]]

[illegible] पेख, विल[illegible] [illegible]गिरिनि

[८]

जल, सु-व्योम, सु-शारिद
सु-विमल-जल सरिता
[illegible]वन, अवनि मनोहर,
बल-वैभव-भरिता

[९]

जय जय विश्व-विद्रावर
जय विश्रुत-नामी
जय जय धर्म धुरधर
जय श्रुति-पथ-गामी

[१०]

अजित अजेय, अलौकिक,
अतुलित-बल-धामा
पूरन-प्रेम-पयोनिधि,
शुभ-गुन-गन-ग्रामा

[११]

हे प्रिय पूज्य परम मम
नमो नमो देवा
बिनवत तीन कोटि जन
ग्रहन करहु सेवा

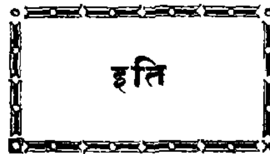
[१२]

श्री-भारत शुचि-आरति
जग-मगल-करनी
मंजुल मधुर पद ध्वनि
बुध-जन-मन-हरनी

[१३]

पुनि पुनि प्रेम-समन्वित,
जो कोई गावै
सुलभ, स्वदेश-सहायक,
शुभ मति गति पावै

(श्रीधर पाठक)


इति

शुद्धिपत्रक

पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध	पृष्ठ	पंक्ति	अशुद्ध	शुद्ध
१	१०	અ	અ	२०	२०	तभा	तभी
३	१३	र +	र+७	२२	९	जब ही	तब ही
४	३	‘ ”	“ ”	,,	टिप्प०	अभा	अभी
५	१४	स	स ह	२६	३	दह	दही
८	३	अग्रजी	अंग्रेजी	,,	,,	દહી	દહી
,	१३	चढाई	चढाई	३०	१९	का =	को =
९	१	‘ कृ ’	‘ कृ ’	३५	६	जिन्ह	जिन्हों
,	८	अे	ए	,,	८	किन्हींमें	किसी में
,,	१४	ऋ	ऋ	,,	१६	उस को	उसका
१०	टिप्प	‘ि’ ‘ी’	‘ि’ ‘ी’	४५	६	ખાદામ	ખદા[illegible]
११	४	यजिना	योजना	,,	१०	પરમલ	પરમળ
,,	७	तार	तीर	,,	१४	અતર	અત્તર
,,	१३	आ —	ओ —	४६	५	સવા	સુવા
१२	१२	मूच्छित	मूर्च्छित	,,	१२	कररो	करो
,,	१७	प्रच्छन	प्रच्छन्न	५७	१६	કરવાનો	કરવાની
१८	७	आद्रुत	आहुत	६०	७	होती	होगी
१०	६	फत्रम	कत्रम	३९	१८	लड्डु	लड्डू

, एना दाखला माटे जुओ पृष्ठ ६१ नु १८मु वाक्य, ‘લાવસાની’ નો तरजुमो ‘लाना’ ‘लानी’ बन्ने थाय जेम —“મ્હારે રોટની ખાવાની છે=मुझे रोटी खाना (खानी) है’ —विशेषणोनी जाति जे ते, ठेकाणे बद लेवी, वस्तुनाम कोई ठेकाणे बहुवचनमां पण अपाय छे.

